हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, गुरुवार 30 अप्रैल 2026

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	= ₹103903/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	= ₹126900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	= ₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand® Jewels
Pandri, Raipur

*Conditions apply

पश्चिम बंगाल- 294 सीट			
एग्जिट पोलः	टीएमसी	भाजपा	अन्य
1 मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
2 पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
3 चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-140	150-160	6-10
4 पीपल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
5 पी- मारक्यू	118-138	150-175	2-6

तमिलनाडु- 234 सीट			
एग्जिट पोलः	द्रमुक	एनडीए	अन्य
1 मैट्रिज	122-132	87-100	10-12
2 चाणक्य स्ट्रैटजीज	145-160	50-65	18-26
3 पीपल्स पल्स	125-145	65-85	16-26
4 पी- मारक्यू	125-145	65-185	16-26
5 एक्सिस माय इंडिया	92-110	22-32	98-120

असम- 126 सीट			
एग्जिट पोलः	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
1 मैट्रिज	85-95	25-32	6-12
2 पोल डायरी	86-101	15-26	00
3 चाणक्य स्ट्रैटजीज	88-98	22-32	3-5
4 पीपल्स पल्स	83-91	23-31	3-5
5 पी- मारक्यू	82-94	30-40	1-5

केरल- 140 सीट			
एग्जिट पोलः	एलडीएफ	यूडीएफ	भाजपा
1 मैट्रिज	60-65	70-75	3-5
2 पीपल्स पल्स	75-85	55-65	0-3
3 जेवीसी	52-61	72-84	3-7
4 एक्सिस माय इंडिया	49-62	78-90	0-3
5 पी- मारक्यू	62-69	71-79	1-4

पुडुचेरी- 30 सीट			
एग्जिट पोलः	एनडीए	कांग्रेस	अन्य
1 पीपल्स पल्स	16-19	10-12	1-2
2 एक्सिस माय इंडिया	16-20	6-8	3-7
3 प्रजा पोल	19-25	6-10	0
4 कामाख्या एनालिटिक्स	17-24	4-7	1-2
5 जेवीसी	15-17	11-13	1-2

एक्जिट पोल में पीपल्स पल्स ने तो बंगाल में भाजपा की सबसे बड़ी जीत की भविष्यवाणी करते हुए उसे 177-187 सीटें मिलने का अनुमान जताया

- बंगाल में ममता की विदाई के लग रहे कयास
- केरलम की सत्ता से कम्युनिस्टों की सफाई
- तमिलनाडु में डीएमके की वापसी के संकेत

बंगाल में भाजपा को बढ़त, असम में हैट्रिक, केरल में यूडीएफ-तमिलनाडु में द्रमुक की जीत के आसार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल आ गए हैं। सबसे बड़ा उलटफेर पश्चिम बंगाल में है, जहां आठ में से छह पोल भाजपा की ऐतिहासिक जीत और सत्ता परिवर्तन का इशारा कर रहे हैं। वहीं, असम और पुडुचेरी में भाजपा-एनडीए गठबंधन अपनी सत्ता बरकरार रखता दिख रहा है। दक्षिण की बात करें तो केरल में यूडीएफ की शानदार वापसी हो रही है, जबकि तमिलनाडु में द्रमुक गठबंधन आगे है।

हरिभूमि न्यूजःनई दिल्ली

चुनाव पश्चात जारी कई सर्वेक्षणों में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बढ़त मिलने और असम में उसके जीत की हैट्रिक लगाने तथा केरल में यूडीएफ की जीत की संभावना जताई गई है, जबकि एक सर्वे ने तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के बड़ा उलटफेर करने का अनुमान लगाया है। प्रमुख चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी 'एक्सिस माय इंडिया' का अनुमान है कि तमिलगा वेट्री कषगम(टीवीके) अपने पहले ही चुनाव में 98 से 120 सीटों के साथ सरकार बनाने के करीब पहुंच सकती है। यदि असल नतीजों में यही रहता है तो यह विजय का चुनावी राजनीति में करिश्माई पदार्पण होगा। यह पार्टी फरवरी, 2024 में अस्तित्व में आई है। पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे एवं अंतिम चरण में मतदान संपन्न हुआ। इससे पहले बीते 23 अप्रैल को राज्य की 152 सीटों पर मतदान हुआ था। प्रदेश में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। केरल, असम और पुडुचेरी ▶▶|शेष पेज 6 पर

केरलम राज्य में सत्ता का परिवर्तन

केरलम को लेकर लगभग सभी सर्वेक्षण एजेंसियों ने सत्ता से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की सत्ता से विदाई और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत की संभावना जताई है। 'एक्सिस माय इंडिया' के एग्जिट पोल में कहा गया है कि यूडीएफ को 78 से 90 सीटें मिल सकती हैं, वहीं एलडीएफ को 49 से 62 सीटें मिलने का अनुमान है। 'पीपुल्स प्लस' ने केरल में यूडीएफ को 75 से 85 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिलने की संभावना जताई है। उसका अनुमान है कि माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ को 55 से 65 सीटें ही मिलेंगी और वह सत्ता से बाहर हो जाएगा। 'वोट वाइब' के सर्वे में कहा गया है कि यूडीएफ को 70 से 80 सीटें ▶▶|शेष पेज 6 पर

असम : 6 एग्जिट पोल्स में भाजपा

असम विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आने लगे हैं और इनमें सत्तारूढ़ भाजपा को बड़ी बढ़त मिलती दिख रही है। 6 प्रमुख एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार भाजपा गठबंधन राज्य में बहुमत के साथ सरकार बनाती नजर आ रही है। 'एक्सिस माय इंडिया' के सर्वेक्षण के अनुसार, राजग 88 से 100 सीटें जीत सकता है तथा कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 24 से 36 सीटें मिल सकती हैं। 'मैट्रिज' के एग्जिट पोल में कहा गया है कि असम में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 85 से 95 सीटें के साथ प्रचंड बहुमत मिल सकता है, जबकि कांग्रेस नीत गठबंधन 25 से 32 सीटों पर ही सिमट सकता है। 'जनमत पोल्स' के अनुसार, असम में भाजपा नीत गठबंधन को 87 से 98 सीटें हासिल हो सकती हैं।

पुडुचेरी में फिर खिल सकता है कमल

पुडुचेरी में भाजपा और उसके सहयोगी दलों की एनडीए को बहुमत मिलता दिख रहा है। एक्सिस मॉय इंडिया' के एग्जिट पोल के अनुसार, पुडुचेरी में राजग को 16 से 20 सीटें मिल सकती हैं, वहीं कांग्रेस और द्रमुक के गठबंधन को छह से आठ सीटें मिलने का अनुमान है। टीवीके को दो से चार सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। पीपुल्स प्लस के अनुसार, राजग को 16-18 सीटें मिल सकती हैं और कांग्रेस और द्रमुक को 10-12 सीटें मिल सकती हैं।

बंगाल में दूसरे चरण में 91 प्रतिशत वोटिंग, 4 मई को हो जाएगा फैसला

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 6 बजे तक के आकड़ों के मुताबिक, 91.31% वोटिंग हुई है। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएम से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं। नॉर्थ 24 परगना के अरविंद रैली में बूथ नंबर 120 पर टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प हुई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर ▶▶|शेष पेज 6 पर

भाजपा के बटन पर चिपका दिया टेप!

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के लिए मतदान के बीच चुनाव में धांधली के आरोप भी एक-दूसरे पर लगाए गए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी के गढ़ माने जाने वाले इलाके में तृणमूल कांग्रेस पर चुनाव में धांधली के आरोप लगे हैं। भाजपा ने आरोप लगाया है कि डायमंड हार्बर क्षेत्र के फलता में कई पोलिंग बूथों पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप चिपका दिया गया है, ताकि लोग उन्हें वोट न दे सकें।

साय कैबिनेट में कई अहम फैसले, घरों में अब पाइप लाइन से गैस, नीति मंजूर

पूर्व आईपीएस पर बड़ा फैसला, मुकेश गुप्ता, पिल्ले और विज की पदावनति रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने आम लोगों को सस्ता और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026' को हरी झंडी दे दी गई है। इस नीति का उद्देश्य राज्य के शहरी क्षेत्रों में पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। कैबिनेट में पूर्व आईपीएस अफसरों पर भी बड़ा निर्णय लिया गया है। तीन पूर्व अफसरों की पदावनति को निरस्त कर दिया गया।

रसोई गैस का सस्ता और सुगम विकल्प

कैबिनेट के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026' को मंजूरी देना रहा। इस नीति का उद्देश्य राज्य के शहरी क्षेत्रों में पाइप लाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की ▶▶|शेष पेज 6 पर

राजनांदगांव में आधुनिक क्रिकेट अकादमी

खेलों को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने राजनांदगांव जिला क्रिकेट एसोसिएशन को आधुनिक खेल मैदान और क्रिकेट अकादमी के निर्माण के लिए जमीन आवंटित करने का फैसला किया है। सूर्यमुखी देवी राजगामी संपदा के नाम दर्ज भूमि में से 5 एकड़ जमीन रियायती दरों पर एसोसिएशन को दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

खास खबर

तीन पूर्व आईपीएस अधिकारियों का डिमोशन ऑर्डर रद्द

प्रशासनिक मोर्चे पर एक बड़ा फैसला लेते हुए मंत्रिपरिषद ने वर्ष 1988 बैच के तीन पूर्व वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों संजय पिल्ले, आरके विज और मुकेश गुप्ता को बड़ी राहत दी है। कैबिनेट ने सितंबर 2019 में जारी उनके पदावनति (डिमोशन) आदेशों का पुनर्विलोकन करते हुए उन्हें निरस्त करने का निर्णय लिया है। सरकार ने प्रशासनिक तथ्यों और परिस्थितियों के समग्र परीक्षण के बाद पुराने निर्णयों को अपास्त कर दिया है और संबंधित अधिकारियों की स्थिति को बहाल करने का रास्ता साफ कर दिया है। खास बात ये है कि इस फैसले के तहत साय सरकार ने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के एक और फैसले को पलटा है। अब से सात साल पहले तत्कालीन सरकार ने इन अधिकारियों के डिमोशन ▶▶|शेष पेज 6 पर

विधानसभा का विशेष सत्र आज

नारी शक्ति सम्मान, सशक्तिकरण पर लाएंगे शासकीय संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- सत्ता पक्ष और विपक्ष की तीखी बहस के बीच हंगामे के आसार

छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र गुरुवार को होगा। सत्र के दौरान नारी शक्ति के सम्मान और महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एक शासकीय संकल्प पेश करेंगे। शासकीय संकल्प पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के मद्देनजर सदन में हंगामा होने की संभावना है। विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र की कार्यसूची विधानसभा सचिवालय ने जारी की है, इसमें पूर्व ▶▶|शेष पेज 6 पर

संकल्प के जरिए विपक्ष पर कटाक्ष

उल्लेखनीय है कि लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित न होने से भाजपा संगठन की ओर से भाजपा शासित राज्यों में विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने विधानसभा का विशेष सत्र कराने का निर्देश जारी किया था। संगठन की ओर से जारी निर्देश के आधार पर छत्तीसगढ़ में भी विधानसभा का विशेष सत्र ▶▶|शेष पेज 6 पर

शादी समारोह से लौट रही दो छात्राओं का अपहरण कर गैंगरेप, एफआईआर में देरी

पुलिस ने समय पर नहीं कराया एमएलसी, जिपं सदस्य ने लगाया लापरवाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/सीतापुर

सरगुजा में दो आदिवासी छात्राओं का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। छात्राएं शादी समारोह में शामिल होने गई थी और लौटते वक्त बाइक से पहुंचे लगभग 10 युवकों ने चार नाबालिग सहेलियों का अपहरण कर लिया। इस दौरान दो छात्राएं किसी तरह उनके चंगुल से बचकर भागने में कामयाब हो गई लेकिन दो नाबालिग छात्राओं को आरोपियों ने पकड़ लिया। आरोपियों में से चार ने एक नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया जबकि दूसरी के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बड़ी बात यह है कि घटना की शिकायत के बाद भी समय रहते एमएलसी और एफआईआर की प्रक्रिया नहीं की गई। जिपं सदस्य ने भी इस मामले को दबाने और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले को प्रकाश में लाया। फिलहाल पुलिस द्वारा अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि 24 अप्रैल ▶▶|शेष पेज 6 पर

मामले को दबाने का आरोप

बड़ी बात यह है कि आदिवासी छात्राओं से सामूहिक दुष्कर्म के मामले को दबाने का आरोप लगा है। जिपं सदस्य रतनी नाग का आरोप है कि उन्हें घटना की सूचना मिली कि मांझी समुदाय की छात्राओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई है। जिसके बाद उन्होंने परिजन से ▶▶|शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस संतोष सिंह सीआईएसएफ में डीआईजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अफसर संतोष सिंह ने हैदराबाद स्थित मुख्यालय में सीआईएसएफ दक्षिण जोन-2 के डीआईजी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इसमें पूरे आंध्रप्रदेश, तेलंगाना व उत्तरी कर्नाटक की सीआईएसएफ सुरक्षित इकाई-खान, कारखाने, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों समेत अन्य इकाइयों की सुरक्षा और बंगाल व ओड़िशा के कुछ प्रमुख बंदरगाहों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

ट्रिपल मर्डर मिस्ट्री पर फैसला, पत्नी के चरित्र पर करता था संदेह

पत्नी, डेढ़ साल की बेटी समेत तीन के हत्यारे को मृत्युदंड

हरिभूमि न्यज ▶▶| दुर्ग

भिलाईनगर थाना अंतर्गत तालपुरी में हुई ट्रिपल मर्डर मिस्ट्री में बुधवार को फैसला आया। आरोपी रवि शर्मा को न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी ने फांसी की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि आरोपी को तब तक फांसी में लटकाया जाए, तब तक उसकी मौत न हो जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस आदेश की हाईकोर्ट से पुष्टि कराई जाए, तभी यह आदेश मान्य होगा। इस मामले में ग्राम अईमा खीजरसराय गया बिहार निवासी रवि पिता राजाराम शर्मा (37 वर्ष) ने अपनी पत्नी मंजू, डेढ़ साल की बेटी निशा और बीएसपी में मजदूरी का काम करने वाले एन राजू की हत्या कर दी थी। आरोपी ने इसके लिए षड़यंत्र रचा, इसमें सबसे पहले अपने कद-काठी की तरह दिखने वाले राजू से संपर्क बढ़ाया। उसे घर बुलाया। उससे शराब पिलाई। इसके बाद पत्नी, बेटी और राजू को पानी में नींद की गोली मिलाकर पिलाकर बेहोश किया। हाथ, पैर, मुंह और नाक ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीसीटीवी कैमरे की मदद से रवि की पहचान की थी

पुलिस ने सीसीटीवी और अन्य सबूतों के आधार पर पता लगा लिया था कि तीनों मर्डर के पीछे रवि शर्मा का ही हाथ था। जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल्स, इस्तेमाल किए गए सामान और दवाइयों की जांच, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान जैसे अहम सबूत सामने आए। घटनास्थल पर बेडरूम के दरवाजे पर चाक से लिखा मिला कि मंजू बेवफा थी, इसलिए मजबूरी में उसे, उसके पति और बच्चे को मारना पड़ा। नीचे संजय देवांगन आर्मी लिखा था। यह लिखावट भी पुलिस को भटकाने के ▶▶|शेष पेज 6 पर

दुर्ग कोर्ट से फांसी का यह सातवां जजमेंट

वरिष्ठ अधिवक्ता सुदर्शन महलवार ने बताया कि दुर्ग कोर्ट से फांसी का यह सातवां मामला है। इससे पहले रुआबांधा और पुलगांव थाना क्षेत्र में नलबलि, 2011-12 का ढालसिंह केस, कलेक्ट्रेट में डकैती और मर्डर, बासीन में ट्रिपल मर्डर, रावलमल जैन हत्याकांड, मूक बधिर लड़की की हत्या के मामले में दुर्ग कोर्ट से फांसी की सजा सामने आई। इनमें से केवल एक में ही उच्च न्यायालयों में पुष्टि हुई।

रायपुर और धमतरी जिले के लिए बनाई गई अलग-अलग टीम

भारत माला मुआवजा घोटाला में अब एक-एक खसरा नंबर भूमि की होगी जांच, संभाग कमिश्नर ने बनाई दो टीम

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

भारत माला परियोजना मुआवजा घोटाला में तत्कालीन एसडीओ निर्भय साहू के खिलाफ ईओडब्ल्यूडी द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के बाद ईडी की एंट्री से इस घोटाले की जांच में और तेजी आ गई है। ईडी ने इस मामले में दो दिन पहले ही प्रदेश के पूर्व मंत्री व कुरुद विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर, राइस मिल एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर, गोपाल गांधी के ठिकानों पर छापेमारी की, वहीं दूसरी ओर अब इस मामले में शासन ने भी एक-एक खसरा भूमि की बारीकी से जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत रायपुर संभाग कमिश्नर महादेव कावरे ने इस परियोजना के तहत अधिग्रहित की गई सभी खसरा नंबर भूमि की जांच के लिए रायपुर और धमतरी जिले के लिए अलग-अलग दो टीम गठित की है। बताया गया कि दोनों टीम ने जांच भी शुरू कर दी है।

रायपुर और धमतरी जिले की भारतमाला परियोजना में मुआवजा घोटाले पर संभाग कमिश्नर ने इससे पहले भी शासन के निर्देश पर दावा-आपत्तियों की जांच के लिए 4 समितियां गठित की थीं। इन सभी समितियों के पास रायपुर और धमतरी जिले मिलाकर 40 ग्रामों से दावा-आपत्तियां आई थीं। इनमें ज्यादातर किसानों ने अधिग्रहित जमीन के एवज में मुआवजा कम मिला है, इसके लिए दावा-आपत्ति लगाई थी। वहीं कुछ किसानों ने मुआवजा राशि नहीं मिली, इसकी भी शिकायत की थी। इन दावा-आपत्तियों

इस जांच में उन्हीं खसरा नंबरों की भूमि की जांच हुई जिस पर आई थी दावा-आपत्ति

की समितियों ने जांच-कर रिपोर्ट कमिश्नर को सौंपी थी और कमिश्नर ने यह रिपोर्ट शासन को सौंपी। बताया जा रहा है कि यह रिपोर्ट केंद्र को भेजी गई है।

संभाग कमिश्नर की चार समितियों ने जांच के दौरान सिर्फ दावा-आपत्ति करने वाले किसानों से संबंधित खसरा नंबरों की भूमि के दस्तावेजों की जांच की थी। इस जांच के दौरान कई किसानों की दावा-आपत्तियां सही भी पाई गईं। यानी जितना मुआवजा मिलना था, उतना मिला नहीं, वहीं कुछ किसानों को मुआवजा ही नहीं मिल पाया। कमिश्नर ने जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी, लेकिन इसके बाद से इस रिपोर्ट के आधार पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे प्रभावित किसानों को जिन्हें कम मुआवजा मिला या नहीं मिल पाया है, उन्हें मुआवजा मिल सके।

भारत माला मुआवजा घोटाला में अब एक-एक खसरा नंबर भूमि की जांच के लिए संभाग कमिश्नर रायपुर और धमतरी में एक-एक विशेष टीम गठित की है। रायपुर में डिप्टी कमिश्नर ज्योति सिंह के नेतृत्व में यह टीम गठित हुई है, जिसमें लगभग 4 सदस्य शामिल किए गए हैं। इसी प्रकार धमतरी जिले में अपर कलेक्टर के नेतृत्व में टीम गठित की गई है।

सूत्रों से पता चला है कि संभाग कमिश्नर द्वारा गठित की गई टीम प्रत्येक खसरा नंबर भूमि की जांच बारीकी से करेगी। अधिग्रहण से पहले खसरा नंबर भूमि का रकबा कितना था, कितने के नाम पर दर्ज थी। जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि किसान की कितनी भूमि अधिग्रहित हुई तथा कितना मुआवजा उन्हें मिलना था एवं कितना मिला है। सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान किसानों के बैंक खातों में पहुंची मुआवजा राशि में से कितनी राशि ट्रांसफर और नकद निकाली गई। इस राशि को कहां-कहां खर्च या किन लोगों को दी गई, इस संबंध में भी किसानों से जानकारी मांगी जा सकती है।

इन बिंदुओं पर हुई थी पहले जांच

पूर्व में चार समितियों ने जो दावा-आपत्तियों की जांच की थी, उसके लिए बिंदु तय हुए थे, जिनमें आपत्तिकर्ता किसानों के बयान, संबंधित क्षेत्र के पटवारी का बयान, स्पॉट मुआयना, अधिग्रहित भूमि संबंधी दस्तावेजों की जांच आदि शामिल थे।

जांच के लिए दो टीम गठित की

भारत माला परियोजना के तहत अधिग्रहित की गई एक-एक खसरा नंबर की भूमि की जांच के लिए दो टीम गठित की है। ये टीम रायपुर और धमतरी जिले में अधिग्रहित की गई प्रत्येक खसरा नंबर भूमि की बारीकी से जांच करेगी। जांच के बाद रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी।

– **महादेव कावरे**, संभागायुक्त रायपुर

25 साल बाद मंत्रालय में बदलेगा खाने का स्वाद, संसद की तरह सब्सिडी खत्म, बढ़ेगा खानपान का खर्च

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ के मंत्रालय में ढाई दशक बाद खानपान का स्वाद बदला हुआ महसूस होगा। मंत्रालय में 25 सालों से इंडियन कॉफी हाउस के माध्यम से कैंटीन का संचालन किया जा रहा था। अब नए वेंडर को कैंटीन संचालन का अवसर मिलेगा। खास बात यह है कि संसद की तर्ज पर मंत्रालय में भी सब्सिडी खत्म करने की योजना है। इससे खानपान पर होने वाले अनावश्यक खर्च पर तो लगाम लगेगा ही, शासन के खाते से वेंडर को सब्सिडी के रूप में होने वाले भुगतान पर भी रोक लगेगी। इससे शासन का सब्सिडी पर होने वाला खर्च कम होगा, लेकिन कर्मचारियों और मंत्रियों के स्टॉफ को खानपान का वास्तविक कीमत भुगतान करना होगा। इंडियन कॉफी हाउस ने अपना कामकाज मंत्रालय की कैंटीन से समेटना प्रारंभ कर दिया है। दूसरी ओर शासन स्तर

हर साल वेंडर को अनुदान से सरकार को लगता है लाखों का चूना

पर नए वेंडर की तलाश भी प्रारंभ कर दी गई है। इस बीच कर्मचारियों ने सस्ती दरों पर ही खानपान उपलब्ध कराने की मांग भी मुख्य सचिव से की है। मंत्रालय में इंडियन कॉफी हाउस के माध्यम से कैंटीन का संचालन पुरानी बिल्डिंग के दौर से किया जा रहा था। नए मंत्रालय में भी कैंटीन का संचालन इंडियन कॉफी हाउस के माध्यम से किया जा रहा था। मंत्रालय में प्रति माह 10 लाख रुपए का बिजनेस कॉफी हाउस के माध्यम से हो रहा था। अब बड़े महिला स्वसहायता समूह या नए वेंडर को कैंटीन संचालन की जिम्मेदारी दी जाएगी।

मंत्रालय में संचालित कैंटीन में उपलब्ध सामग्री की कीमत को नियंत्रित रखने के लिए तो शासन को सब्सिडी देना ही पड़ता है। मंत्रियों के स्टॉफ या विभिन्न विभागों के अफसरों और स्टॉफ द्वारा भी पर्ची के माध्यम से ऑर्डर दिए जाते थे, जिसका भुगतान विभाग यानी सीधे तौर पर शासन स्तर पर ही किया जाता है। इस तरह कैंटीन की लगभग 60 फीसदी राशि का भुगतान शासन को करना पड़ता था।

घर में लगी आग, जिंदा जला पूर्व पंचायत सचिव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिहारपुर

सूरजपुर जिला अंतर्गत दूरस्थ ग्राम उमझर में तड़के स्कूलपारा में एक घर में भीषण आग लग गई। इस दौरान घर में सो रहे पूर्व सचिव आग से घिरने के कारण बाहर नहीं निकल सके तथा आग में जिंदा जल गए। इस घटना से गांव में शोक की लहर है।

ग्राम उमझर स्कूल पारा निवासी पूर्व पंचायत सचिव ईश्वर सिंह आयाम (55 वर्ष) अपने कमरे में अकेले सो रहे थे। उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ वैवाहिक कार्यक्रम में गई थी। बजाया जा रहा है बुधवार की सुबह 7 बजे ईश्वर सिंह अपने घर में सो रहे थे। इस दौरान घर में अचानक आग लग गई तथा देखते ही देखते आग ईश्वर सिंह के घर में फैल गई। आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे तथा आग बुझाने की कोशिशे भी की। आग पूरे घर में फैलने के कारण ग्रामीणों को आग बुझाने में सफलता नहीं मिल सकी। इस दौरान कमरे में सो रहे ईश्वर सिंह आग से घिरने के कारण बाहर नहीं निकल सके तथा आग में जिंदा जल गए। आग से पूर्व पंचायत सचिव का पूरा घर एवं घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया तथा शव को पीएम के लिए भेजवाया। पैरावट एवं घर में आग कैसे लगी अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। ग्रामवासी पुरानी रंजिश में किसी व्यक्ति द्वारा आग लगाने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं। पूर्व सचिव ने अपने घर से सटी खाली जमीन में मचान बनाकर पैरावट का भण्डारण किया था। घर के छप्पर से सटे होने के कारण पैरावट की आग पूरे घर में फैल गई तथा देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया।

अतिरिक्त परिवहन आयुक्त ने प्रदेश के सभी आरटीओ को पत्र जारी कर प्रचार-प्रसार करने दिए निर्देश

हाईवे पर दोपहिया के पीछे बैठने वाले सहयात्री को भी लगाना होगा हेलमेट

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

हाईवे पर दोपहिया वाहन चलाने वाले के साथ दोपहिया सवार सहयात्री को भी अब अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनना होगा। इस संबंध में अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने प्रदेश के सभी जिलों के आरटीओ को एक पत्र जारी किया है। अपर परिवहन आयुक्त ने सभी आरटीओ को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि दोपहिया वाहन चलाने वाले ड्राइवर के साथ सहयात्री को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने प्रेरित करने प्रचार-प्रसार करें।

अपर परिवहन आयुक्त द्वारा जारी आदेश के मुताबिक बगैर हेलमेट के वाहन की डिलीवरी करने वाले शोरूम वालों के खिलाफ भी कार्रवाई का प्रावधान है। अपर परिवहन आयुक्त ने केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के प्रावधान का हवाला देते हुए हाईवे पर दोपहिया वाहन चालक के साथ सहयात्री को हेलमेट पहनना अनिवार्य बताया है। अपर परिवहन आयुक्त का आदेश फिलहाल हाईवे के लिए है। अपर परिवहन आयुक्त ने हाईवे पर रोड एक्सीडेंट में मरने वाले दोपहिया वाहन

चालक तथा उसमें सवार सहयात्री की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आदेश जारी किया है।

हाईवे हो या शहरी क्षेत्र रोड एक्सीडेंट में मरने वाले दोपहिया वाहन चलाकों की आंकड़े संबंधित विभागों के पास है, लेकिन बगैर हेलमेट के कितने दोपहिया वाहन चालकों की मौतें हुई हैं, इसका स्पष्ट आंकड़ा परिवहन के साथ ट्रैफिक पुलिस के पास भी नहीं है। हाईवे के साथ शहरी क्षेत्र में ज्यादातर रोड एक्सीडेंट की घटनाएं ओवर स्पीड, रांग साइड, ड्रंक एंड ड्राइव तथा गलत तरीके से बड़ी गाड़ियों को ओवरटेक करने से होती है। बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ रायपुर के आउटर के साथ शहरी क्षेत्र में पिछले तीन महीने में जो ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है, इससे हलाकान ऐसे दोपहिया वाहन के मालिक जो आर्थिक रूप से सक्षम है, कार से आवाजाही करना शुरू कर दिए हैं। शहर के व्यस्त मार्ग जहां पूर्व में चार पहिया गाड़ियों का दबाव कम होता था, वहां ट्रैफिक का दबाव 20 प्रतिशत तक बढ़ गया है। ट्रैफिक पुलिस के लिए आने वाले दिनों में ट्रैफिक जाम से निपटना एक बड़ी चुनौती होगी।

राजधानी की सड़कें अन्य महानगरों की तुलना में संकरी

राजधानी के गौरवपथ, एक्सप्रेस वे को छोड़ शेष अन्य सड़कें इंदौर, भोपाल, भुवनेश्वर की तुलना में संकरी है। इस लिहाज को पुलिस को शहर के प्रमुख मार्गों में ट्रैफिक दबाव कम करने दोपहिया वाहन चालकों को प्रेरित करना चाहिए। शहरी क्षेत्र में बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ जिस रफ्तार से चालानी कार्रवाई की जा रही है। इससे दोपहिया वाहन चलाने वाले ऐसे लोग जो सक्षम हैं, आवाजाही करने वाले लोग विकल्प के रूप में कार का चयन कर रहे।

बिलासपुर, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 | बैशाख शुक्ल पक्ष चर्तुदशी | वर्ष : 26, अंक : 39 | पृष्ठ : 10+6 =16, मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

10वीं के होनहार

संध्या नायक — 99% — महासमुंद — प्रथम

परीरानी प्रधान — 99% — महासमुंद — प्रथम

अंशुल शर्मा — 99% — मुंगेली — प्रथम

रिया केशरवानी — 98.83% — कबीरधाम — द्वितीय

रानु साहू — 98.83% — महासमुंद — द्वितीय

रेणुका प्रधान — 98.83% — महासमुंद — द्वितीय

दिपांशी बौद्ध — 98.83% — रायपुर — द्वितीय

नंदिता देवांगन — 98.83% — मुंगेली — द्वितीय

कल्पना यादव — 98.67% — रायपुर — तृतीय

साहिल बरेठ — 98.50% — दुर्ग — चतुर्थ

आदित्य बसु — 98.50% — रायपुर — चतुर्थ

विशाल यादव — 98.33% — रायपुर — पंचम

गिरिजा प्रधान — 98.33% — रायगढ — पंचम

आरुषि सिन्हा — 98.17% — जशपुर — षष्ठम

अंशिका कश्यप — 98.17% — कोरिया — षष्ठम

चाहत चौधरी — 98% — महासमुंद — सप्तम

कोमल कुमार पटेल — 98% — रायपुर — सप्तम

लीना साहू — 98% — बिलासपुर — सप्तम

मौसमी पटेल — 98% — बिलासपुर — सप्तम

नैतिक गौतम — 98% — जांजगीर-चांपा — सप्तम

आलिया परवीन — 98% — कोरिया — सप्तम

तनुजा वर्मा — 97.83% — दुर्ग — अष्टम

नोबेल साहू — 97.83% — गरियाबंद — अष्टम

तृषा साहू — 97.83% — महासमुंद — अष्टम

विभा पाणीकर — 97.83% — बिलासपुर — अष्टम

हेमा — 97.83% — मुंगेली — अष्टम

अहसान अली — 97.83% — रायगढ़ — अष्टम

ईशा दुर्गेशी — 97.83% — कांकेर — अष्टम

शौर्या गहिने — 97.67% — दुर्ग — नवम

दिव्यांश साहू — 97.67% — रायपुर — नवम

तोषण साहू — 97.67% — रायपुर — नवम

हिमांशु कश्यप — 97.67% — रायपुर — नवम

माही कश्यप — 97.67% — बिलासपुर — नवम

लोकेश राठौर — 97.67% — जांजगीर-चांपा — नवम

तुलसी साहू — 97.5% — दुर्ग — दशम

भारती चंद्रा — 97.5% — महासमुंद — दशम

लता चौधरी — 97.5% — महासमुंद — दशम

सौम्या साहू — 97.5% — रायपुर — दशम

भारती — 97.5% — रायपुर — दशम

नैंसी ठाकुर — 97.5% — बिलासपुर — दशम

हेमंत पटेल — 97.5% — सारंगगढ़ — दशम

भूपेश यादव — 97.5% — जशपुर — दशम

12वीं के होनहार

जिज्ञासु वर्मा — 98.6% — बलौदाबाजार — प्रथम

ओमनी वर्मा — 98.2% — बेमेतरा — द्वितीय

कृष महंत — 97.8% — रायगढ़ — तृतीय

रिया साहू — 97.6% — दुर्ग — चतुर्थ

शहनाज परवीन — 97.6% — महासमुंद — चतुर्थ

ताहिरा खान — 97.6% — गौरेला-पेंड्रा-मरवाही — चतुर्थ

कुसुमलता बिपर — 97.4 — धमतरी — पंचम

हेमलता साहू — 97.4 — रायपुर — पंचम

ओमकार कैवर्त — 97.4 — गौरेला-पेंड्रा-मरवाही — पंचम

आशा यादव — 97.4 — जशपुर — पंचम

लोकनाथ मेहर — 97.20 — रायगढ़ — षष्ठम

करीना सिंह — 97.20 — जशपुर — षष्ठम

महक सहदेव — 97% — गरियाबंद — सप्तम

गीतिका प्रधान — 97% — महासमुंद — सप्तम

भूमिका प्रतोति — 97% — गौरेला-पेंड्रा-मरवाही — सप्तम

तनीषा साहू — 96.8% — गरियाबंद — अष्टम

हिमशिखा गुप्ता — 96.8% — रायपुर — अष्टम

चैतुराम साहू — 96.8% — मुंगेली — अष्टम

शीतल साहू, — 96.8% — रायगढ़ — अष्टम

आर्या पैंकरा — 96.8% — जशपुर — अष्टम

नितेश कुमार — 96.60 — बलौदाबाजार — नवम

लक्ष्मी — 96.60 — बेमेतरा — नवम

पूर्वी देवांगन — 96.60 — महासमुंद — नवम

दिव्या अग्रवाल — 96.60 — महासमुंद — नवम

काजल साहू — 96.60 — रायपुर — नवम

आफिया खातून — 96.60 — रायपुर — नवम

रुबी पटेल — 96.60 — रायपुर — नवम

वैभव रत्नाकर — 96.60 — खैरागढ़ — नवम

बबीता पटेल — 96.60 — रायगढ़ — नवम

लिषिका वर्मा — 96.60 — रायगढ़ — नवम

शिवम दुबे — 96.60 — सारंगगढ़ — नवम

अंशु गुप्ता — 96.60 — दुर्ग — नवम

विद्यारानी साहू — 96.40 — गरियाबंद — दशम

प्रेमिन सोनकर — 96.40 — गरियाबंद — दशम

युक्तामुखी साहू — 95.80 — रायपुर — दशम

मानसी तंडन — 95.80 — रायपुर — दशम

सिफत परवीन — 95.80 — रायपुर — दशम

खुशबू देवांगन — 95.80 — जांजगीर-चांपा — दशम

अंजली झा — 95.80 — रायगढ़ — दशम

दुनिषा साहू — 95.80 — सक्ती — दशम

महेश्वरी सिंह — 95.80 — कांकेर — दशम

अपर्णा बिसवास — 95.80 — कांकेर — दशम

यश — 95.80 — खोबरागढ़ — दशम

पिता के साथ सब्जी बेचते किया टॉप, राजनीति में सेवा का सपना

बिलासपुर/ लोरमी। 12 वीं बोर्ड की परीक्षा में लोरमी के चैतूराम साहू ने मेरिट में आठवां स्थान प्राप्त किया है। उनके पिता शिवनारायन साहू गांव के चौक पर सब्जी बेचते हैं। पुत्र के 500 में से 484 अंक पाने के साथ ही उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। वे बेटे को बेहतर शिक्षा देकर बड़ा आदमी बनाना चाहते हैं। चैतूराम लोरमी में किराए के मकान में रहकर सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में पढ़ाई कर रहा है। पूरा परिवार पंडरिया ब्लाक के रहंगी गांव में रहता है। चैतूराम साहू ने बताया कि वह पढ़ाई के साथ ही पिता के कारोबार ▶▶|शेष पेज 6 पर

शतरंज के नेशनल खिलाड़ी ने पढ़ाई में किया टॉप

मुंगेली जिले के लोरमी क्षेत्र के अंशुल शर्मा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक के साथ प्रदेश में टॉप किया है। शतरंज के नेशनल खिलाड़ी इस छात्र ने पढ़ाई में भी अव्वल आते हुए बताया कि अनुशासन के साथ हर फील्ड में आगे रहा जा सकता है। लोरमी नगर एवं मूलतः रहंगी निवासी सूर्यकांत शर्मा के पुत्र अंशुल शर्मा न्यू जनरेशन पब्लिक स्कूल के छात्र हैं। अंशुल को कुल 600 में 594 अंक मिले हैं। अंशुल की मां पेशे से शिक्षिका हैं एवं पिता बीमा अभिकर्ता हैं। अंशुल ने रिजल्ट के बाद ▶▶|शेष पेज 6 पर

10वीं-12वीं दोनों ही कक्षाओं में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत लड़कों से 10% अधिक

लड़कियां फिर आगे, शीर्ष पर राजधानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं-बारहवीं के परीक्षा परिणामों की घोषणा बुधवार दोपहर कर दी। दसवीं कक्षा में 77.15 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण रहे तो वहीं बारहवीं कक्षा में 83.04 प्रतिशत छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। इस बार भी बालिका वर्ग के परिणाम बालक वर्ग से बेहतर आए हैं। दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण लड़कियों का प्रतिशत 81.03 तथा लड़कों का प्रतिशत 72.27 है। इसी तरह से बारहवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने वाली बालिकाओं का प्रतिशत 86.04 तथा बालकों का प्रतिशत 78.86 रहा है। वहीं मेरिट सूची में इस बार राजधानी का दबदबा रहा है। दसवीं कक्षा में रायपुर से 10 तथा बारहवीं कक्षा में 8 छात्रों ने जगह बनाई है। दसवीं की परीक्षा में 3.16 लाख तथा बारहवीं की परीक्षा में 2.44 लाख छात्र शामिल हुए थे। दसवीं कक्षा की परीक्षा 2,510 एवं बारहवीं की परीक्षा 2,395 केंद्रों में हुई थी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की बेटियां लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने अथक परिश्रम से उल्लेखनीय सफलता ▶▶|शेष पेज 6 पर

मेरिट में 85 छात्र, इनमें 62 लड़कियां, लड़के मात्र 23

दसवीं कक्षा की प्रावीण्य सूची में 42 विद्यार्थियों ने जगह बनाई है। इनमें से 14 लड़के हैं, जबकि इनसे दोगुनी संख्या 28 लड़कियों की है। बारहवीं कक्षा में 43 विद्यार्थी मेरिट लिस्ट में हैं। इनमें से सिर्फ 9 ही लड़के हैं, शेष 34 लड़कियां हैं।

10वीं में 77.15% तथा 12वीं में 83.04% छात्र रहे सफल

दसवीं कक्षा : 77.15 % उत्तीर्ण

पंजीकृत परीक्षार्थी- 3,21,677
परीक्षा में उपस्थित परीक्षार्थी- 3,16,730
बालक- 1,40,402
बालिका- 1,76,328
उत्तीर्ण परीक्षार्थी- 2,43,016

बारहवीं कक्षा- 83.04% उत्तीर्ण

पंजीकृत परीक्षार्थी- 2,46,166
उपस्थित परीक्षार्थी- 2,44,453
बालक- 1,02,259
बालिका- 1,42,194
उत्तीर्ण परीक्षार्थी- 2,02,549

10वीं में 44.48%छात्र फर्स्ट डिविजन

दसवीं कक्षा के घोषित परिणाम में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 1,40,108 (44.48 प्रतिशत) है। द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 96,721 (30.71 प्रतिशत) है तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 6,187 (1.96 प्रतिशत) है। एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 19,347 है। 161 परीक्षार्थियों के परिणाम विभिन्न कारणों से रोके गए हैं। इनमें 15 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल ▶▶|शेष पेज 6 पर

10वीं की मेरिट में 11 बच्चे प्रयास स्कूलों के भी

दसवीं कक्षा में आदिम जाति विकास विभाग द्वारा प्रयास स्कूल के 11 विद्यार्थियों ने दूसरे स्थान सहित मेरिट लिस्ट में जगह बनाई है। मेरिट लिस्ट में कुल 42 बच्चों ने जगह बनाई है, जिसमें प्रदेश के ▶▶|शेष पेज 6 पर

12 वीं में प्रयास के 128 बच्चे प्रथम श्रेणी से हुए पास

प्रदेश में प्रयास आवासीय स्कूल में एक बच्चा नहीं फेल नहीं हुआ। प्रयास आवासीय स्कूल 12 वीं 128 बच्चे प्रथम श्रेणी से पास हुए। प्रयास आवासीय स्कूल गुढ़ियारी में 19 छात्राओं का 90 से अधिक अंक प्राप्त किया।

12वीं में 52.2% छात्र फर्स्ट डिविजन

बारहवीं कक्षा के घोषित परिणाम में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 1,27,334 (52.2 प्रतिशत) है। द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 72,402 (29.68 प्रतिशत) है तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 2,806 (1.15 प्रतिशत) है। 7 परीक्षार्थी पास श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 23,866 है। कुल 63 परीक्षार्थियों के परिणाम विभिन्न कारणों से रोके गए हैं। इनमें 5 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण, 56 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोके गए हैं। 492 परीक्षार्थियों के आवेदन पात्रता के अभाव में निरस्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 2 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम बाद में घोषित किए जाएंगे।

12वीं में अव्वल जिज्ञासु का आईआईटी में पढ़ने का सपना

बलौदाबाजार। कक्षा 12वीं में पलारी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र जिज्ञासु वर्मा ने 98.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें टॉप करने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन नियमित अध्ययन और अनुशासन ने उन्हें यह मुकाम दिलाया।

परीक्षा के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पूरी तरह पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। जिज्ञासु आगे चलकर आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से इंजीनियरिंग करना चाहते हैं। उनके पिता नरेंद्र कुमार वर्मा एक छोटी सी किराने की दुकान चलाते हैं, जबकि माता श्रीमती माहेश्वरी वर्मा शासकीय प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक हैं। उनकी इस सफलता पर विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

10वीं में पहला स्थान पाने वाली संध्या बनना चाहती हैं अफसर

महासमुंद । महासमुंद जिले की संध्या नायक ने सीजी बोर्ड की 10वीं परीक्षा में पहला स्थान प्राप्त किया है। वह सिविल सेंविसेज में जाना चाहती हैं। संध्या महासमुंद जिले के सरायपाली क्षेत्र की एकलव्य इंग्लिश मीडियम अंजुंदा की छात्रा है।

वह 600 में से 594 अंक अर्जित करते हुए 99 प्रतिशत के साथ पूरे प्रदेश में अव्वल रही है। ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ीं संध्या अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह सफलता अर्जित कर यह साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र भी मेहनत और ▶▶|शेष पेज 6 पर

मैकेनिक की बेटी रिया, पैसों की तंगी, कोचिंग नहीं ली, लगन से हासिल किया मुकाम

भिलाई। दुर्ग जिले की छात्रा रिया साहू ने 97.60 प्रतिशत अंक लेकर बारहवीं मेरिट में 4 था स्थान लिया है। रिया पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कर्ष अंग्रेजी माध्यम कुम्हारी में अध्ययनरत है। उनके पिता राकेश साहू मोटर साइकिल मैकेनिक हैं और इसी से अपने परिवार का गुजारा करते हैं। माता रिंकी साहू गृहणी है। शुरू से ही मेधावी रही रिया इंजीनियर बनकर अपने परिवार का नाम रोशन करना चाहती है।

दसवीं बोर्ड में भी मेरिट में स्थान बनाया था । वे बताती हैं कि पिता की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से न कोचिंग ली और न ही ट्यूशन जा पाई। पिता दो साल ▶▶|शेष पेज 6 पर

श्रमवीर की बेटी ने पूरा किया पिता का सपना

भिलाई। दुर्ग जिले की छात्रा अंशु गुप्ता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला केंप वन भिलाई की छात्रा है। अंशु ने बारहवीं में 96.40 प्रतिशत अंक लेकर मेरिट में 10 वां स्थान हासिल किया है। उसने गणित विषय लेकर उसने पढ़ाई की। पिता पुरूषोत्तम गुप्ता बीएसपी में मजदूरी का काम करते हैं और अपने बच्चों का जीवकोपार्जन कर रहे हैं। उनकी इच्छा थी बच्ची अच्छे नंबरों से पास हो, किसी मुकाम पर पहुंचे। अंशु ने उनका यह सपना पूरा किया। यह महज एक पड़ाव है। अंशु बताती हैं कि उनका टारगेट सिविल सर्विस में जाकर लोगों की सेवा करना चाहती है। रोजाना 8 घंटे पढ़ाई की। कोचिंग भी ली। मां गीता गुप्ता गृहणी हैं। उन्होंने भी अंशु को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया।

बुनकर परिवार के बेटे नितेश ने भी रचा इतिहास

बलौदाबाजार जिले के कटगी गांव के होनहार छात्र नितेश कुमार देवांगन ने भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 96.60 प्रतिशत अंक के साथ प्रदेश की मेरिट सूची में 9वां स्थान प्राप्त किया है। बुनकर परिवार से आने वाले नितेश ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत और लगन से सफलता की नई मिसाल पेश की है। उन्होंने गणित एवं बीएफएसआई जैसे विषयों में 100 में 99 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। नितेश ने बताया कि वे अपने पिता के साथ कपड़ा बुनने के कार्य में सहयोग करते रहे हैं और इसी के साथ पढ़ाई को भी पूरी गंभीरता से जारी रखा।

डिप्टी कलेक्टर बनने का लक्ष्य: नितेश का सपना बीएससी के बाद राज्य सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर डिप्टी कलेक्टर बनना है, ताकि वे समाज एवं क्षेत्र के विकास में योगदान दे सकें।

बेमेतरा की ओमनी वर्मा ने रचा इतिहास, 12वीं में दूसरा स्थान

राइस मिल मजदूर की बेटी बनी प्रदेश की टॉपर

बेमेतरा। संघर्ष, मेहनत और सपनों की उड़ान जब एक साथ मिलती है, तो इतिहास बनता है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है बेमेतरा शहर के वार्ड क्रमांक 2 की रहने वाली छात्रा ओमनी वर्मा ने। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में ओमनी ने पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। ओमनी के पिता कोमोद वर्मा बेमेतरा की एक राइस मिल में मजदूरी करते हैं और दिन-रात मेहनत कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद बेटी की पढ़ाई में कोई कमी न आने देना ही उनका सबसे बड़ा सपना था, जिसे आज ओमनी ने अपनी सफलता से साकार कर दिखाया।

आत्मानंद विद्यालय की होनहार छात्रा

ओमनी वर्मा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा की छात्रा हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उनकी मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए इसे पूरे स्कूल के लिए गौरव का क्षण बताया है।

12 से 16 घंटे की मेहनत लाई रंग

ओमनी ने बताया कि सफलता के पीछे उनका नियमित अध्ययन रहा। वे प्रतिदिन 12 से 16 घंटे तक पढ़ाई करती थीं। बड़े परिवार—6 बहनों और 1 भाई—में पांचवें स्थान पर होने के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से कभी ध्यान नहीं भटकने दिया। माता-पिता और परिवार का पूरा सहयोग उन्हें लगातार मिलता रहा।

सीए बनने का सपना

ओमनी का अगला लक्ष्य चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) बनना है। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता के सपनों को साकार करना चाहती हैं और आगे भी इसी तरह मेहनत कर देश-प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

चिंतन

रिकॉर्ड मतदान, अब नेताओं पर परफॉर्मेंस का दबाव

पश्चिम बंगाल समेत देश के पांच राज्यों में हुए हालिया चुनावों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा मतदान प्रतिशत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि जनता अब राजनीति को दूर से देखने वाली भीड़ नहीं, बल्कि फैसले लेने वाली ताकत बन चुकी है। बता दें कि बंगाल के दूसरे चरण में 90 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं, पहले चरण में 93 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था। जब किसी चुनाव में 90 प्रतिशत के आसपास मतदान दर्ज होता है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं रहता, बल्कि यह जनादेश की गंभीरता और जनता की मंशा का स्पष्ट संदेश बन जाता है। अब इससे नेताओं पर भी परफॉर्मेंस का दबाव बनेगा कि वे किसी एक समुदाय या विशेष क्षेत्र के लिए नहीं, अपितु सभी के लिए योजना और नीतियां तैयार करें। चूंकि प्रदेश की लगभग पूरी आबादी ने मतदान में भाग लिया है। पश्चिम बंगाल में दोनों चरणों में 90 फीसदी से अधिक मतदान अपने आप में ऐतिहासिक है। यह न केवल राज्य का, बल्कि पूरे देश का एक नया रिकॉर्ड बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अब तक त्रिपुरा में 91.82% (2013) में दर्ज हुआ था। यह परिघटना बताती है कि मतदाता अब उदासीन नहीं है। वह अपने अधिकार को लेकर सजग है और सत्ता को यह बताने के लिए तैयार है कि उसकी अपेक्षाएं क्या हैं, लेकिन उच्च मतदान प्रतिशत को केवल लोकतंत्र का उत्सव मान लेना एक अधूरा विश्लेषण होगा। बंगाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि हमेशा से संघर्ष, ध्रुवीकरण और आरोप-प्रत्यारोप से भरी रही है। इस बार भी हालात अलग नहीं दिखे। एक ओर ममता बनर्जी ने केंद्रीय बलों पर गंभीर आरोप लगाए। यहां तक कहा कि वे एक विशेष पार्टी के हित में काम कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा ने ईवीएम में छेड़छाड़ जैसे आरोपों के जरिए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। यह स्थिति बताती है कि चुनाव केवल मतदाताओं का उत्सव नहीं, बल्कि राजनीतिक अविश्वास की परीक्षा भी है। ऐसे माहौल में चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आयोग के लिए यह चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजामों के दावे तभी सार्थक माने जाएंगे, जब मतदान न केवल शांतिपूर्ण, बल्कि पूरी तरह निष्पक्ष भी साबित हो। हालांकि, इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण संदेश जो उभरकर सामने आता है, वह है जनता का बदला हुआ रुख। अब मतदाता केवल जाति, धर्म या क्षेत्रीय समीकरणों के आधार पर वोट देने तक सीमित नहीं रह गया है। रिकॉर्ड मतदान इस बात का संकेत है कि जनता अब अपने प्रतिनिधियों से जवाबदेही चाहती है। अब चार मई को आने वाले नतीजे यह तय करेंगे कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुडुचेरी में सत्ता किसके हाथ जाएगी। असली फैसला तो जनता पहले ही कर चुकी है। वह यह कि अब उसे सिर्फ वादे नहीं, प्रदर्शन चाहिए। अब सरकारें घोषणाओं से नहीं, काम से आंकी जाएंगी। कुल मिलाकर रिकॉर्ड मतदान भारतीय लोकतंत्र की ताकत का प्रमाण है, लेकिन यह नेताओं के लिए एक चेतावनी भी है। यह स्पष्ट संकेत है कि जनता जाग चुकी है और अब वह हर पांच साल में सिर्फ वोट डालकर नहीं, बल्कि अपने फैसले के परिणाम भी देखना चाहती है। इसलिए आने वाली सरकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि उस भरोसे को बनाए रखना होगा, जो जनता ने रिकॉर्ड मतदान के जरिए उन पर जताया है।

जिनके फोटोग्राफ्स बोलते थे

करवट
कुमार प्रशांत

हम बहुत कम समय तक एक-दूसरे को जानते रहे। फिर एकदम अलग हो गए। फिर इधर के दिनों में, जब मैं दिल्ली आया तो फिर कुछ मिलना हुआ। इसलिए निजता का मेरा कोई दावा नहीं है। लेकिन 1974 से जो शुरू हुई, वह सौहार्दपूर्ण पहचान बनी रही। मैंने उनसे भी कहा था और आज भी उसे दोहराता हूं कि रघु राय के कैमरे को 1974-77 के दौर में वह संस्कार मिला जिसने उन्हें फोटोग्राफर से कहीं आगे खड़ा कर दिया। अपना कैमरा ले कर जब रघु राय जयप्रकाश नारायण व उनके आंदोलन के क़रीब पहुंचे तब उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि उनका कैमरा यहां से अपना चरित्र बदलने वाला है।

26 अप्रैल 2026 को जब रघु राय ने अपने कैमरे का शटर दबाया होगा, तब उन्हें इल्म हुआ होगा कि उनका कैमरा बंद हो गया है। अब वह न कभी खुलेगा, न कभी बोलेगा ! उनका कैमरा बोलता था। रघु राय के कैमरे में व दूसरों के कैमरे में यही फर्क था। दूसरों का कैमरा बोलता नहीं था, देखता था; रघु राय का कैमरा गूंगा होने को तैयार नहीं था। वह बोलता था। महान कनाडियन कैमराकार यूसुफ कार्श का कैमरा नहीं बोलता था, उनके पोट्रेट बोलते थे। उनके पोट्रेट के पात्रों की आंतरिक विशेषताओं को उनका कैमरा जैसे छू लेता था. वह कहता कुछ नहीं था, हमारे सामने उस व्यक्ति को खड़ा कर देता था। मैंने ऐसा ही कुछ पहली बार पटना की उस मित्र-मंडली में कहा था जिसमें रघु राय भी मौजूद थे। चेहरे पर सदा खिली रहने वाली आत्मीय मुस्कान के साथ वे मुझे सुन रहे थे : रघु राय के फोटोग्राफ्स बोलते हैं इसलिए हमें उनके पास ठहरना पड़ता है ताकि उन्हें सुन सकें; रघु राय के फोटोग्राफ्स दौड़ते हैं इसलिए हमें उनके साथ तेज दौड़ लगानी पड़ती है ताकि कहीं पीछे न छूट जाएं ! मुझे कई बार लगा है कि उनके फोटोग्राफ्स की एक श्रृंखला देखते-देखते सांस फूलने लगती है।

मैं आज कहना चाहता हूं कि रघु राय हमारे दौर के सबसे तेज रफ्तार कैमराकार थे जो गति, शब्द व चित्र, तीनों का अप्रतिम संतुलन साध पाते थे। मैं यह आज इसलिए कहना चाहता हूं, क्योंकि रघु राय अब नहीं हैं। अब वह आंख नहीं है जो कैमरे से जुड़ कर वह संसार उजागर कर जाती थी जिसे देखते हुए भी हम देख नहीं पाते थे। उनकी आंखों में कैमरा लगा था और उस कैमरे में महाभारतवाले संजय की आंख लगी थी। कई लोग कहते रहे, उनकी विदाई-लेखों में भी लिखा जा रहा है कि वे आलादर्जे के न्यूज-फोटोग्राफर थे। रघु राय के परिचय में जब ऐसा कहा जाता है तब मुझे ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई जवाहरलाल नेहरू के परिचय में कहे कि वे भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। यह परिचय सच है लेकिन जवाहरलालजी का इससे बौना परिचय दूसरा हो नहीं सकता है। वे बहुत कुछ और भी थे जिसके साथ भारत के प्रधानमंत्री भी थे। रघु राय बहुत कुछ और भी थे जिसके साथ न्यूज-फोटोग्राफर भी थे।

हम बहुत कम समय तक एक-दूसरे को जानते रहे। फिर एकदम अलग हो गए। फिर इधर के दिनों में, जब मैं दिल्ली आया तो फिर कुछ मिलना हुआ। इसलिए निजता का मेरा कोई दावा नहीं है। लेकिन 1974 से जो शुरू हुई, वह सौहार्दपूर्ण पहचान बनी रही। मैंने उनसे भी कहा था और आज भी उसे दोहराता हूं कि रघु राय के कैमरे को 1974-77 के दौर में वह संस्कार मिला जिसने उन्हें फोटोग्राफर से कहीं आगे खड़ा कर दिया। अपना कैमरा ले कर जब रघु राय जयप्रकाश नारायण व उनके आंदोलन के क़रीब पहुंचे तब उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि उनका कैमरा यहां से अपना चरित्र बदलने वाला है। मुझे पता नहीं है कि रघु राय 1974 से पहले जयप्रकाश से परिचित थे या नहीं। कभी पूछा नहीं, कभी ऐसी बात निकली नहीं। लेकिन सिताबदियारा की वह रात मुझे खूब याद है जब दिन भर की तूफानी सभाओं व सार्वजनिक जयकारों-हाहाकारों से निकल कर हम देर शाम जयप्रकाश के पैतृक गांव सिताबदियारा पहुंचे थे। अपना वह गांव और

अपना वह खपड़ैल मकान जयप्रकाश को बहुत प्यारा था। उसकी उष्मा में वे विभोर हो कर रहते थे-चाहे जितना रह सकें! उस शाम बेहद थके होने के बाद भी वे वैसे ही मगन-मन थे। वहां जगह भी कम थी, सुविधाएं तो और भी कम; और उसमें औचक आ पहुंचे 10-15 शहरी मेहमान! सबकी व्यवस्था थी। सबको उनकी जगह पहुंचा कर, खाना आदि करवा कर थोड़ी राहत मिली। जयप्रकाश भी थकान आदि से निबट कर थोड़े स्थिर हुए तो सब मेहमानों की व्यवस्था आदि की जानकारी ली। बिस्तर, मच्छरदानी, पीने का पानी, बाथरूम सब पूछा : 'इनमें से कुछ होंगे जिन्हें सोने से पहले चाय-कॉपी की जरूरत होती होगी। वह सब पूछा न ?' पूछा तो था लेकिन बहुत आग्रह से नहीं, इसलिए जवाब में थोड़ा संशय था...रात भी ज्यादा हो रही है, सोने वाले सो भी गए होंगे व्यवस्थापकों का जवाब पूरा भी नहीं हुआ था कि जयप्रकाश बिस्तर से नीचे उतरे और बोले : ' चलें, जरा देख लूं !'

मेहमानों में संकोच भरी खलबली हुई। इतनी रात गए, थके जयप्रकाश एक-एक के बिस्तरे तक पहुंचे, बड़ी आत्मीयता से जो पूछना-बताना था, वह सब किया- यहां सुविधाएं कम हैं, परेशानी होगी आपको, सुबह कितने बजे उठते हैं, नहाने का गर्म पानी यहां मिल जाएगा, चाय कितने बजे लेंगे, चाय के साथ क्या लेंगे मैं देख रहा था कि रघु राय सिकुड़ते जा रहे थे। जिसके पीछे कैमरा ले कर वे सुबह से भाग रहे थे, वह अब उनके कैमरे की जद से बाहर, उनके सामने खड़ा था, और उन्हें अपने कैमरे में बंद कर रहा था।

'आपने रोका क्यों नहीं दिन भर मैंने इस बूढ़े आदमी को जवानों को मात देने वाली एनर्जी से काम करते देखा है अब हमारी बेहूदा-सी जरूरतों की चिंता में' रघु राय को सूझ नहीं रहा था कि वे कैसे, क्या कहें शब्द बता नहीं पा रहे थे कि वे कैसा महसूस कर रहे थे फिर हम देर रात तक सिताबदियारा के कच्चे रास्तों पर हल्के कदमों व दबी आवाज में बात करते घूमते रहे वे एक इवेंट कवर करने आए थे, और यहां मिला उन्हें एक ऐसा व्यक्ति जो इतिहास समेटता हुआ, इतिहास बदल रहा था आप देखिए न, न यह कैमरा मेरा बनाया है, न मेरे कैमरे के सामने जो घट रहा है वह मेरा रचा है सब मुझे बना-बनाया मिला है। मैं कर तो इतना ही रहा हूं न कि शटर दबा रहा हूं रघु राय कुछ और कहते कि मैंने टोका : शटर तो मैं भी दबा सकता हूं लेकिन उसमें से रघु राय का फोटो बनेगा नहीं, क्योंकि कहां, कब व कैसे शटर दबाना है यह न मशीन को मालूम है, न मशीन के सामने घटती घटनाओं को यह तो रघु राय को ही पता है कला व कलाकार के बीच का यह रिश्ता ही अंतिम सत्य है ऐसी कितनी ही बातें उस रात हुईं जयप्रकाश कर क्या रहे हैं, लोकतंत्र के विकास में इस आंदोलन का रोल क्या है, दमन के सामने बहादुरी से खड़े इन नौजवानों की प्रेरणा क्या है जैसी कितनी ही बातें हम कर गए रघु राय तब अपने फोटो का नया एंगल खोज रहे थे। जिसे हम न्यूज-फोटोग्राफी कह कर निकल जाते हैं और जो न्यूज के साथ ही दम तोड़ जाती है, रघु राय उसके पार जाते थे क्योंकि वे क्षण को नहीं, वक्त को दर्ज करने वाले कैमराकार थे।

बिहार आंदोलन में गति व उमंग का विस्फोट हुआ था। रघु राय उसे पकड़ सके थे, क्योंकि वे उसे समझ सके थे। उनका कैमरा साक्षी-भाव नहीं रखता था, वह भागीदार बन सका था। बिहार आंदोलन के उनके फोटो का संकलन 'बिहार शोज़ द वे' आप देखें तो समझ सकेंगे कि वे लिखे शब्दों व विवरणों को व्यर्थ-सा बना देते हैं, क्योंकि वे सारे फोटोग्राफ्स बोलते भी हैं, भागते भी हैं। लेकिन आपको एकदम अलग रघु राय मिलते हैं जब आप मदर टेरेसा के पास उन्हें देखते हैं। उनका कैमरा वहां ध्यान करता मिलता है : निःशब्द प्रार्थना ! रूपाकार नहीं, करुणा ही आकार ले लेती है। संगीतकारों की उनकी श्रृंखला मुझे इसलिए बहुत प्रिय है कि कैमरे को उस तरह गाते कभी सुना नहीं था। इंदिरा गांधी का उनका अलबम एकदम अलग भाषा में बोलता है-सत्ता की धमक-चमक व आतंक का रस वहां हर ओर बिखरा मिलता है। वह सारा कुछ जो काल की हथेली पर उन्होंने बिखरा रखा था, अब सिमट चुका है। उसमें कुछ नया जोड़ने वाली आंख नहीं रही। कैमरा भी है, विषय भी हैं लेकिन रघु राय नहीं हैं। वह वादा भी अब कभी पूरा नहीं होगा जो जयपुर में गांधी-वाटिका बनाते समय उन्होंने मुझसे किया था : कुमार, आपकी गांधी-वाटिका के लिए मैंने कुछ अलग सोच रखा है मैं वह आपको दूंगा वह वाटिका भी अब श्रीहीन हो चुकी है।

हम जो भी करेंगे वह कर्म है

संकलित
दर्शन

'इगोसेंट्रिक' कर्म को वे कर्म कहते हैं। ऐसे कर्म को, जिसमें कर्ता मौजूद है। जिसमें कर्ता यह विचार करके ही कर रहा है कि करने वाला मैं हूं। जब तक मैं करने वाला हूं, तब तक हम जो भी करेंगे, वह कर्म है। अगर मैं संन्यास ले रहा हूं, तो संन्यास एक कर्म हो गया। अगर मैं त्याग कर रहा हूं, तो त्याग एक कर्म हो गया। अकर्म का मतलब ठीक उलटा है। अकर्म का मतलब है ऐसा कर्म, जिसमें कर्ता नहीं है। जिसमें मैं कर रहा हूं, ऐसा कोई बिंदु नहीं है। ऐसा कोई केंद्र नहीं है, जहां से यह भाव उठता है कि मैं कर रहा हूं। अगर मैं कर रहा हूं, यह खो जाए, तो सभी कर्म अकर्म है। कर्ता खो जाए तो सभी कर्म अकर्म है। इसलिए कृष्ण का कोई कर्म, कर्म नहीं है, सभी अकर्म हैं। कर्म और अकर्म के बीच में विकर्म की जगह है। विकर्म का अर्थ है, विशेष कर्म। विशेष कर्म किसे कहते हैं कृष्ण? जहां न कर्ता है, और न कर्म। फिर भी चीजें तो होंगी। फिर भी चीजें तो होंगी ही। आदमी श्वास तो लेगा ही। न कर्म है, न कर्ता है। श्वास तो लेगा ही। श्वास कर्म तो है ही। खून तो गति करेगा ही शरीर में। भोजन तो पचेगा ही। ये कहां पड़ेंगे? ये विकर्म हैं। ये मध्य में हैं। यहां न कर्ता है, न कर्म है। साधारण मनुष्य कर्म में है, संन्यासी अकर्म में है, परमात्मा विकर्म में है। वहां न कोई कर्ता है, न कोई कर्म है। वहां चीजें ऐसी ही हो रही हैं, जैसे श्वास चलती है। वहां चीजें बस हो रही हैं। यह कर्म योग का तत्व है । जो विकर्म को समझ लेगा, वह अकर्म में उतर जाएगा। कर्म हमारी स्थिति है, जैसे हम जी रहे हैं।

धैर्य से काम लेने में ही समझदारी है

संकलित
प्रेरणा

एक बार महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ एक गांव में भ्रमण कर रहे थे। उन दिनों कोई वाहन नहीं हुआ करते थे सो लोग पैदल ही मीलों की यात्रा करते थे। ऐसे ही गांव में घूमते हुए काफ़ी देर हो गयी थी। बुद्ध जी को काफ़ी प्यास लगी थी। उन्होंने अपने एक शिष्य को गांव से पानी लाने की आज्ञा दी। जब वह शिष्य गांव में अंदर गया तो उसने देखा वहां एक नदी थी जहां बहुत सारे लोग कपड़े धो रहे थे कुछ लोग नहा रहे थे तो नदी का पानी काफ़ी गंदा सा दिख रहा था। शिष्य को लगा कि गुरु जी के लिए ऐसा गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा, ये सोचकर वह वापस आ गया। महात्मा बुद्ध को बहुत प्यास लगी थी इसीलिए उन्होंने फिर से दूसरे शिष्य को पानी लाने भेजा। कुछ देर बाद वह शिष्य लौटा और पानी ले आया। महात्मा बुद्ध ने शिष्य से पूछा कि नदी का पानी तो गंदा था फिर तुम साफ पानी कैसे ले आए। शिष्य बोला की प्रभु वहां नदी का पानी वास्तव में गंदा था लेकिन लोगों के जाने के बाद मैंने कुछ देर इंतजार किया। और कुछ देर बाद मिट्टी नीचे बैठ गयी और साफ पानी उपर आ गया। बुद्ध यह सुनकर बड़े प्रसन्न हुए और बाकी शिष्यों को भी सीख दी कि हमारा ये जो जीवन है यह पानी की तरह है। जब तक हमारे कर्म अच्छे हैं तब तक सब कुछ शुद्ध है, लेकिन जीवन में कई बार दुख और समस्या भी आते हैं जिससे जीवन रूपी पानी गंदा लगने लगता है। कुछ लोग पहले वाले शिष्य की तरह बुराई को देख कर घबरा जाते हैं और मुसीबत देखकर वापस लौट जाते हैं, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते।

बलिदान दिवस
आचार्य दीपचन्द भारद्वाज

अफ़गानों का काल बने सरदार हरि सिंह नलवा

भारतवर्ष की धरा का इतिहास पराक्रमी वीर योद्धाओं के त्याग, वीरता और बलिदान की गाथाओं से परिपूर्ण है। हमारे यहां ऐसे रणबांकुरे हुए हैं जिनका नाम सुनने मात्र से ही शत्रु कांप जाते थे। सरदार हरि सिंह नलवा भारतीय इतिहास के उन अद्वितीय योद्धाओं में गिने जाते हैं, जिनकी वीरता और पराक्रम के किस्से आज भी हमारे हृदय में प्रेरणा का संचार करते हैं। सन् 1791 को पंजाब के गुजरांवाला में जन्मे हरि सिंह नलवा बाल्यकाल से ही साहसी, निर्भीक और प्रतिभाशाली थे। इनके पिता गुरदयाल सिंह उप्पल का निधन तब हो गया था, जब वह मात्र 7 वर्ष के थे। विकट परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने साहस, युद्ध कौशल के बल पर अपनी पहचान अर्जित की। बचपन से ही युद्ध कला में प्रवीण थे। बसंत पंचमी के अवसर पर एक बार 1805 में महाराजा रणजीत सिंह ने एक प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। हरि

सिंह नलवा भी उस प्रतियोगिता में अपना कौशल दिखाने पहुंचे। हरि सिंह ने उस प्रतियोगिता में भाला, तीरंदाजी, घुड़सवारी में अद्भुत प्रदर्शन किया जिससे प्रभावित होकर महाराज रणजीत सिंह ने उन्हें अपनी सेना में शामिल कर लिया। धीरे-धीरे महाराणा रणजीत सिंह के वे विश्वास पात्र बन गए तथा एक कुशल योद्धा और उत्कृष्ट रणनीतिकार के रूप में स्थापित हुए। एक बार महाराजा रणजीत सिंह जंगल में अपने सैनिकों के साथ शिकार करने गए और उनके साथ हरि सिंह नलवा भी थे। तभी अचानक एक बाघ ने महाराजा पर हमला कर दिया। सभी सैनिक डर गए, तभी हरि सिंह आगे निकल कर आए और शेर से भिड़ गए तथा उसके जबड़े को अपने दोनों हाथों से चीर दिया। हरि सिंह से प्रभावित होकर रणजीत सिंह ने कहा कि तुम तो राजा नल जैसे वीर बहादुर हो। इसी घटना के बाद उन्हें 'नलवा' की उपाधि मिली, जिसका अर्थ है बाघ जैसा वीर । वे ऐसे धुरंधर योद्धा थे जिसकी तुलना अंग्रेज नेपोलियन से करते थे।

हरि सिंह केवल नाम के ही सिंह नहीं थे, बल्कि उनके पराक्रम और शौर्य ने पूरे अफगानिस्तान को हिला कर रख दिया था। यह उस कालखंड की बात है जब अफगानिस्तान के लड़ाकों से भारत डरा करता था। सबसे पहले महाराजा रणजीत सिंह ने इनको 800 घुड़सवारों की सेना का सेनानायक बनाया। हरि सिंह ने बीस से अधिक युद्धों में महाराजा रणजीत सिंह की सेना का कुशल नेतृत्व किया। 1807 से 1837 तक हरि सिंह ने अफगानों के खिलाफ कई महत्वपूर्ण युद्ध लड़े और विजय प्राप्त करके सिख साम्राज्य को सुदृढ़ता प्रदान की। नलवा ने अफगानिस्तान पर चढ़ाई करके उनकी राजधानी काबुल तक छीन ली थी। अपनी कूटनीति और पराक्रम के बल पर खैबर दर्रे तक अफ़गानों को पीछे धकेल दिया था। यही खैबर दर्रा सदियों से विदेशी अफगान आक्रमणकारियों का प्रमुख मार्ग रहा था। इस प्रकार हरि सिंह ने भारत की सीमाओं को सुरक्षित करने का सराहनीय कार्य किया। महाराजा रणजीत सिंह ने हरी सिंह नलवा को कश्मीर और पेशावर का गवर्नर नियुक्त किया, जो उनकी प्रशासनिक क्षमता का प्रमाण है। सिख साम्राज्य के विस्तार और उसको सुरक्षित बनाने में हरि सिंह नलवा का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। वे ऐसे अजेय योद्धा थे, जिनके पराक्रम का आतंक शत्रुओं के मानस पटल पर भी छाया हुआ था। हरि सिंह ने ही जमरूद के महत्वपूर्ण किले का निर्माण करवाया था। उनके बारे में यह भी कहा जाता है कि - 'अफगान माताएं अपने बच्चों के रोने पर उन्हें चुप कराने के लिए कहा करती थी कि चुप हो जा, वरना नलवा आ जाएगा'। यह केवल लोककथा नहीं, बल्कि उनके अद्भुत युद्ध कौशल, साहस और निडरता का जीवंत प्रमाण है। उनकी वीरता और युद्ध कौशल की चर्चाएं चारों तरफ फैली हुई थी। युद्ध के मैदान में इस वीर योद्धा नलवा को देखते ही शत्रु मैदान छोड़ जाया करते थे। 1837 में जमरूद के युद्ध के दौरान उनकी वीरता अपने चरम पर थी। तभी अफगान सेना ने जमरूद के किले पर अचानक आक्रमण कर दिया। सीमित संसाधनों और कम सैनिकों के साथ भी हरि सिंह ने अफगान सेना का डटकर सामना किया। शारीरिक रूप से अस्वस्थ होते हुए भी हरि सिंह ने निर्भीकता से इस युद्ध को लड़ा। अंततः यह वीर योद्धा जमरूद के इस युद्ध में 30 अप्रैल 1837 को वीरगति को प्राप्त हुआ। सरदार हरि सिंह नलवा की तुलना भारत के श्रेष्ठ सेना नायकों में की जाती है। भारत के प्रति हरि सिंह नलवा की प्रतिबद्धता, त्याग, बलिदान और कर्तव्य निष्ठा इतिहास में सदैव अमर रहेगी।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

तरसना न पड़ जाए जल की एक-एक बूंद के लिए

हाल ही में केंद्रीय जल आयोग ने हमें एक बहुत बड़ी चिंता में डालने वाला आंकड़ा देश के विभिन्न राज्यों के जलाशयों में घटते पानी को लेकर पेश किया है। इस आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग 166 मुख्य जलाशयों में मात्र 41 प्रतिशत के आसपास पानी बचा है। पश्चिमी भारत, हिमाचल और उत्तराखंड में स्थिति बेहद खराब बताई गई है, यहां तो जलाशयों का जल स्तर 90 प्रतिशत के नीचे बताया गया है। केंद्रीय जल आयोग के इन चिंताजनक आंकड़ों पर आज से नहीं, बल्कि अभी से गंभीरता नहीं दिखाई गई तो देश के बहुत से राज्यों में जल संकट इस कद्र गहरा सकता है कि वहां पानी की एक-एक बूंद को तरसना पड़ सकता है। जल को अगर इसी तरह प्रदूषित व बर्बाद किया जाता रहा, तो संकट पैदा होगा। *- राजेश सोनी, भाटापारा*

ट्रेंड

सब कुछ महंगा होगा

चुनाव की राहत खत्म, महंगाई की मार अब शुरू होने वाली है! सावधान हो जाइए - पेट्रोल, डीजल, सब कुछ महंगा हो जाएगा। जब तेल सस्ता था, मोदी सरकार ने मुनाफा कमाया। अब जब यह महंगा हो गया है, तो इसका बोझ आप पर पड़ेगा।

-**राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

विशेषाधिकार की प्रवृत्ति

जब महिलाओं के लिए 33% आरक्षण सुनिश्चित करने का समय आया, तो महिला-विरोधी विपक्ष ने गरिमा और न्याय की बजाय विलंब और व्यवधान को चुना। यह संकोच नहीं है। यह विशेषाधिकार को बनाए रखने की प्रवृत्ति है।

-**रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

दोहरी विकास प्रणाली

हमारी दोहरी विकास प्रणाली वाली सरकार महिलाओं की उन्नति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम न केवल आर्थिक स्वतंत्रता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि शिक्षा और रोजगार अवसरों में आने वाली बाधाओं को भी दूर कर रहे हैं।

-**मोहन चरण माझी,** सीएम, ओडिशा

10 गुना अधिक सीटें

गुजरात में हमारे सैकड़ों कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, उन्हें जेल भेजा गया, लेकिन फिर भी उन्होंने दृढ़ता से चुनाव लड़ा। आम आदमी पार्टी ने पिछली बार की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक सीटें जीती हैं।

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

श्रीलंका के चेम्मानी में फिर शुरू होगी सामूहिक कब्रों की खुदाई

श्रीलंका की एक अदालत ने जाफना के बाहरी इलाके चेम्मानी में स्थित एक सामूहिक कब्र की खुदाई का काम फिर से शुरू करने का आदेश दिया है, जो पहली बार 1990 के दशक में लिट्टे संघर्ष के दौरान चर्चा में आयी थी और इसकी खुदाई का काम सात महीने पहले रोक दिया गया था। न्याय मंत्रालय द्वारा धनराशि फिर से आवंटित करने में देरी के कारण उत्तरी प्रांत के चेम्मानी में खुदाई का काम पिछले साल सितंबर में रुक गया था। जाफना मजिस्ट्रेट कोर्ट को मंगलवार को बताया गया कि 21 लाख श्रीलंकाई रुपये (एलकेआर) का आवंटन उपलब्ध करा दिया गया है ताकि काम फिर से शुरू किया जा सके। अदालत ने यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली और रोमानिया के राजनयिक प्रतिनिधियों को खुदाई स्थल पर निरीक्षण के लिए उपस्थित रहने की अनुमति दी। खुदाई कार्य के 45 दिनों के बाद जब दूसरे चरण का काम रोक दिया गया तब तक 240 कंकाल अवशेष निकाले जा चुके थे। खुदाई में कंकालों के अलावा, 14 हड्डियों का ढेर और शिशुओं के लिए दूध की बोतलें, एक गुड़िया, खिलौने और बच्चों के थैले तथा जूते जैसी वस्तुएं भी मिलीं।

ऑफ बीट

रोबोट मैराथन दौड़ सकते हैं टेबल टेनिस खेल सकते हैं

एक 'ह्यूमनॉइड' रोबोट ने हाल ही में हाफ मैराथन दौड़कर और मानव विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं। लगभग उसी समय,

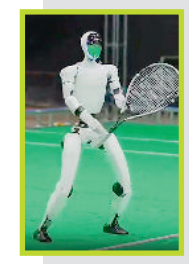

एआई-संचालित एक रोबोट ने टेबल टेनिस में एक शीर्ष खिलाड़ी को भी हरा दिया। रोबोट को खेल सिखाने की प्रक्रिया मानव खिलाड़ियों से पूरी तरह अलग होती है। रोबोट को 'सिमुलेशन', 'डेटा' और नियंत्रण 'एल्गोरिदम' के जरिए प्रशिक्षित किया जाता है। इंजीनियर वर्चुअल वातावरण तैयार करते हैं, जहां रोबोट लाखों बार अभ्यास कर सकते हैं। वे वस्तुओं को ट्रैक करना, गति का अनुमान लगाना और शरीर का समन्वय करना सीखते हैं। तेज गति वाले खेल जैसे टेबल टेनिस में यह चुनौती और कठिन हो जाती है, जहां रोबोट को गेंद की दिशा का अनुमान लगाकर कुछ ही क्षणों में सटीक प्रतिक्रिया देनी होती है। इसके लिए कंप्यूटर विजन, मशीन लर्निंग और रीयल-टाइम कंट्रोल का घनिष्ठ समन्वय जरूरी है। हाल के वर्षों में सिम-टू-रियल तकनीक ने इस क्षेत्र में प्रगति को काफी तेज किया है जिसमें 'सिमुलेशन' में सीखी गई क्षमताओं को वास्तविकता में लागू किया जाता है। रोबोट बास्केटबॉल और फुटबॉल जैसे खेलों में भी अब केवल गेंद को पहचानने तक सीमित नहीं हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बंगाल के दूसरे चरण के मतदान कई इलाकों में हुई हिंसा

केंद्रीय बलों ने किया भाजपा के इशारे पर काम : ममता

आरोप बेबुनियाद, ममता को हार का हुआ एहसास : सुवेंदु

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के तहत बुधवार को 142 सीटों पर मतदान भारी घमासान के बीच हुआ। कई इलाकों से हिंसा और चुनावी धांधली की खबरें आईं। भबानीपुर में सीएम ममता बनर्जी और भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के बीच सीधा मुकाबला है, यहां भी टीएमसी व भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हुई। सीएम ममता ने जहां केंद्रीय बलों पर भाजपा के इशारे में काम करने व चुनाव में धांधली का आरोप लगाया, वहीं भाजपा ने टीएमसी पर ही धांधली का आरोप मढ़ा। बता दें, 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ था, मतगणना चार मई को होगी।

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा पर राज्य विधानसभा चुनाव में 'धांधली' करने की कोशिश का आरोप लगाया और कहा कि केंद्रीय बल तथा चुनाव पर्यवेक्षक भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं।' ममता ने अपने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का दौरा करते हुए आरोप लगाया कि इस विधानसभा चुनाव में अधिकारियों द्वारा लोकतांत्रिक मानकों से गंभीर समझौता किया गया है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र ममता का राजनीतिक गढ़ माना जाता है, जहां उनकी नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से प्रतिष्ठा की लड़ाई है। इस मुकाबले को नंदीग्राम की लड़ाई की तरह ही देखा जा रहा है, जहां 2021 में अधिकारी ने ममता को हरा दिया था। इधर भाजपा ने ममता के आरोपों को खारिज करते हुए टीएमसी पर ही भ्रम फैलाने व धांधली करने का आरोप लगाया।

ममता का आरोप

ममता ने आरोप लगाया कि पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान तृणमूल कार्यकर्ता और नेताओं पर अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता 'मरने के लिए तैयार हैं।' ममता ने कहा, 'कई पर्यवेक्षक बाहर से आए हैं और भाजपा के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। लोगों को मतदान करना है - क्या इस तरह मतदान हो सकता है?' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के सभी पार्टी झंडे पहले ही हटा दिए गए और बाहरी लोग मतदान प्रक्रिया में दखल दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे वार्ड नंबर 70 के पार्षद को बाहर निकलने नहीं दे रहे हैं। वे हमारे सभी कार्यकर्ताओं को पकड़ रहे हैं। अभिषेक और मैं पूरी रात जागते रहे।'

महिलाओं-बच्चों पर लाठीचार्ज

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान दक्षिण 24 परगना जिले में एक मतदान केंद्र के पास केंद्रीय सुरक्षा बलों ने महिलाओं और एक बच्चे सहित नागरिकों पर लाठीचार्ज किया।

सुवेंदु का आरोप

वहीं भाजपा ने टीएमसी पर ही धांधली का आरोप मढ़ा। नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, टीएमसी के लोगों ने डर व तनाव का माहौल पैदा किया, भाजपा प्रत्याशियों पर हमले किए गए। कई बूथ से हिंसा की खबरें सामने आई हैं। इधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को कहा कि जो तृणमूल कांग्रेस 'डर और तनाव का माहौल' पैदा करने के लिए जानी जाती है उसके इस तरह के प्रयासों के बावजूद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों में लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए बाहर आए और इसमें केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी ने मदद की। राज्य के विभिन्न इलाकों में मौजूदा चरण के दौरान छिटपुट हिंसा की खबरों पर एक सवाल के जवाब में चौधरी ने बहरामपुर में पत्रकारों से कहा कि चुनाव से संबंधित हिंसा की घटनाएं पिछले स्थानीय निकाय चुनाव की तुलना में काफी कम हैं।

आरजी कर पीड़िता की मां का हुआ विरोध

कोलकाता। पानीहाटी सीट से भाजपा उम्मीदवार एवं आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देवनाथ को बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले में स्थित एक मतदान केंद्र पर जाने के दौरान तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। देवनाथ ने यह भी आरोप लगाया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ हुई बहस के बाद सत्तारूढ़ दल के समर्थकों ने उन्हें बूथ परिसर से बाहर निकलने से रोक दिया। पानीहाटी सीट पर उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष के पुत्र तीर्थांकर घोष और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कलातन दासगुप्ता से है।

महिलाओं से लेकर बुजुर्गों ने दिखाया जोश

वोटिंग में उमड़े आम ओ खास

कोलकाता। दूसरे चरण के तहत दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर मतदान हुआ है। कोलकाता, हावड़ा, नादिया, दक्षिण परगना, जैसी कई इलाकों में बड़ी संख्या में आम लोगों सहित वीआईपी ने मतदान किया। ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट स्थित आवास से निकलकर मित्रा इंस्टीट्यूशन स्कूल में सुबह 8 बजे के करीब मतदान किया। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भबानीपुर के खिदिरपुर इलाके में दो मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद वोटिंग की। टीएमसी के डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने मित्रा इंस्टीट्यूशन में मतदान किया।

हावड़ा

पूर्व बर्धमान

ममता बनर्जी

शयानी घोष

पूर्व बर्धमान

हावड़ा

मिथुन चक्रवर्ती

चन्द्रकुमार बोस

रचना बनर्जी

कोलकाता

चेन्नई। श्रीलंका की हिरासत से रिहा होने के बाद तमिलनाडु के 15 मछुआरे बुधवार सुबह चेन्नई पहुंचे। रामेश्वरम के इन मछुआरों को इस साल की शुरुआत में मछली पकड़ते समय समुद्री सीमाओं को कथित तौर पर पार किए जाने के बाद श्रीलंका की नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया था।

मेरठ से प्रयागराज अब 6 घंटे में, गंगा एक्सप्रेस वे का आगाज

एजेंसी ▸▸| हरदोई/लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को हरदोई के मल्लावां में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। आधिकारिक बयान के अनुसार लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा समय को मौजूदा 10-12 घंटे से घटाकर करीब छह घंटे कर देगा। बयान में कहा गया है कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ेगा। एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मां गंगा के नाम पर एक्सप्रेसवे का नाम रखना सुखद अनुभूति है। 'अब कुछ ही घंटों में आप प्रयागराज के संगम पहुंच सकते हैं और काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करके वापस आ सकते हैं। जैसे मां गंगा हजारों वर्षों से यूपी और देश की जीवनरेखा रही हैं, वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके समीप से गुजरता यह एक्सप्रेसवे यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा।'

पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया उद्घाटन

घर बैठे पाएं महाकाल की कृपा! अब ऑनलाइन दान शुरू

एजेंसी ▸▸| उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर प्रशासन ने दान प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु घर बैठे ही विभिन्न सेवाओं में सहयोग कर सकेंगे। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की सहायक प्रशासक सिम्मी यादव ने बताया कि मंदिर का अन्नक्षेत्र पूरी तरह दान पर आधारित है। यहां प्रतिदिन दो शिफ्ट में लगभग 10,000 श्रद्धालु भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। पहले अन्य क्षेत्रों में दान की प्रक्रिया ऑफलाइन होने के कारण कई श्रद्धालु इस सेवा से जुड़ नहीं पाते थे, लेकिन अब इसे ऑनलाइन कर दिया गया है। अब भक्त मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट http:// www.shrimahakaleshwar.mp,.gov.in के माध्यम से आसानी से दान कर सकेंगे। यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू होगी।

राजीव की हत्या का दोषी पेरारिवलन बना वकील

नई दिल्ली। पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या मामले का दोषी एजी पेरारिवलन (54) वकील बन गया है। 2022 में सुप्रीम कोर्ट से रिहाई के बाद उसने 27 अप्रैल को तमिलनाडु-पुडुचेरी बार काउंसिल में नामांकन कराया। पेरारिवलन 1991 में 19 साल की उम्र में गिरफ्तार हुआ (

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

// आदेश संशोधन कमांक-01//
क्रमांक/473/निविदा/ग्रा.यां.सेवा/2025-26
दन्तेवाड़ा,दिनांक-27/04/2025

इस कार्यालय द्वारा ऑनलाईन ई-निविदा क्रमांक-465/निविदा/ग्रायासे / 2026, दन्तेवाड़ा दिनांक 20.04.2026 के द्वारा जारी निविदा में अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार निविदा तिथियों में आंशिक संशोधन किया जाता है

क्र	पूर्व निविदा की तिथि		वर्तमान निविदा की तिथि
1	निविदा की अंतिम तिथि	08.05.2026	13.05.2026
2	मैनुअल दस्तावेज प्रस्तुत करने की तिथि	12.05.2026	15.05.2026

अत: निविदा की नियम एवं अन्य शर्ते यथावत रहेगी ।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

जी. 262700433/5

कार्यालय मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) सामान्य प्रशासन विभाग
ब्लाक 3, प्रथम तल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

File No.:ESTB/12499/2025/CTE
नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 28.04.2026

दावा आपत्ति सूचना

मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) कार्यालय द्वारा निम्नलिखित उपकरण एवं सॉफटवेयर का कय किया जाना है, जिस संबंध में कय हेतु Proprietary Certificate होने के संबंध में दावा आपत्ति सूचना :-

1. निर्माण कार्यों में कंक्रीट गुणवत्ता परीक्षण हेतु Proceq PD8000 एवं भूमिगत जांच हेतु GS8000 उपकरणों के Lifetime Software Subscription क्रय के लिए Proceq Pvt. Ltd. के अधिकृत विक्रेता Samhitha Innovations से प्रस्ताव एवं Proprietary Certificate प्रस्तुत किया गया है।

2. पानी की गुणवत्ता जांच हेतु Palintest Kemio Multi kit (KEMS15MUL) एवं Reagents के क्रय के लिए Palintest Pvt. Ltd. के अधिकृत विक्रेता International Trade Links Instrumentation Pvt. Ltd. से प्रस्ताव एवं Proprietary Certificate प्राप्त हुआ है।

अत: किसी फर्म/संस्था को उक्त के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा आपत्ति हो तो दिनांक 29.05.2026 तक अपना दावा आपत्ति मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) के नाम से रजिस्टर्ड डाक / स्पीड पोस्ट / कोरियर के माध्यम से प्रस्तुत करें। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त दावों पर विचार नहीं किया जावेगा। विस्तृत सूचना मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) की वेबसाईट https://ctev.cgstate.gov.in/ में उपलब्ध है।

जी.262700454/2 मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता)

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर

सूचना

क्रमांक 8107/दो-14-1/2025 बिलासपुर, दिनांक 28/04/2026
Adv. No. 04/2025 (JJA(Comp.)

छ.ग. उच्च न्यायालय, बिलासपुर द्वारा दिनांक 26/04/2026 को कनिष्ठ न्यायिक सहायक (कम्प्यूटर) (Junior Judicial Assistant (Computer)} के पद हेतु आयोजित द्वितीय चरण की कौशल परीक्षा में उपस्थित अभ्यर्थियों की सूची जारी की जा चुकी है।

उक्त समस्त उपस्थित अभ्यर्थियों का विज्ञापन की अन्य शर्तों की कण्डिका 20 के परिपालन में दस्तावेजों का सत्यापन किया जाना है। अत: उन्हें निर्देशित किया जाता है कि वे अपने समस्त शैक्षणिक / तकनीकि प्रमाण पत्र इत्यादि (यथा जन्म / आयु प्रमाण पत्र, स्नातक प्रमाण पत्र, पी.जी.डी.सी.ए. प्रमाण पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र इत्यादि) की स्वप्रमाणित प्रति छ.ग. उच्च न्यायालय, बिलासपुर के ई-मेल (rec.cghc@cg.gov.in) पर दिनांक 05/05/2026 को रात्रि 12.00 बजे तक अनिवार्य रूप से प्रेषित करें। उक्त तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त दस्तावेजों पर विचार नहीं किया जायेगा।

विस्तृत विवरण एवं सूची छ.ग. उच्च न्यायालय, बिलासपुर के वेब-साईट https://highcourt.cg.gov.in पर देखा जा सकता है।

(रजनीश श्रीवास्तव)
रजिस्ट्रार जनरल

जी. 262700449/2

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, रायपुर (छ.ग.)
नगर घडी चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001, ई मेल ats-raipur@cg.gov.in

शासकीय सूचना

दिनांक 27/04/2026

संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन छत्तीसगढ़ के पत्र क.3750 दिनांक 17.11.2021 द्वारा प्रदत्त अनुमति अनुसार आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र जुलाई 2026 से अक्टूबर 2026 के लिये दिनांक 01 मई 2026 से 29 मई 2026 के मध्य की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगें। संबंधित कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रेषित निर्धारित प्रपत्र में, कार्यालय संचालक कोष एवं लेखा के दिशा निर्देश पत्र कं/सं/सं/5/89/50/भोपाल दिनांक 22.07.89 की कंडिका 6 के अनुसार 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के आवेदन पत्र शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, नगर घड़ी चौक रायपुर को दिनांक 29 मई 2026 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए। (लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर) इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नही किया जाएगा। विज्ञप्ति के साथ संलग्न (छायाप्रति स्वीकार्य) मानक आवेदन पत्र पर ही आवेदन स्वीकार किये जायेंगें। आवेदन जिस सत्र के प्रशिक्षण हेतु किया गया है. उस सत्र के लिये ही मान्य होगा। पूर्व प्रचलित आवदेन पत्र स्वीकार नही किये जायेगें।

प्राचार्य
शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला
रायपुर (छ.ग.)

जी.262700432/2

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, कोरबा

क्र. कार्यको/विज्ञा./ क्रय/303 कोरबा, दिनांक : 29.04.2026

"बिजली बन्द की सूचना"

कार्यपालन अभियन्ता (संचालन / संधारण) संभाग, छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि, कोरबा के कोरबा (उप-संभाग) अंतर्गत आने वाले सर्व सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि 33 के.व्ही. फिडर में मानसून पूर्व अतिआवश्यक रख-रखाव कार्य एवं सुधार कार्य किये जाने के कारण निम्नलिखित फीडर/उपकेंन्द्र में उनके समक्ष दर्शाये गये दिनांक एवं दिन के अनुसार प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

क्र.	दिनांक	दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	29.04.2026	बुधवार	33/11 के वी न्यू रजगामार फीडर	पंडरीपानी, गोढ़ी, बेंदरकोना, चाकामार, करूमौहा, बुदेली, भुलसीडीह एवं आसपास के क्षेत्र। समय सुबह 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक।
2	30.04.2026	गुरूवार	33/11 के वी ओल्ड रजगामार 100 मेगावाट	केरकोमा, रजगामार एवं आसपास के क्षेत्र। समय सुबह 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक।
3	01.05.2026	शुक्रवार	33/11 के वी चांपा सोहागपुर उपकेन्द्र	सेहागपुर, उमरेली, तुमान, लीमडीह, चीकनीपानी, गाडापाली, बुढ़ियापाली, कोथारी 2 एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक ।
4	02.05.2026	शनिवार	33/11 के वी उरगा चांपा उपकेन्द्र	बरपाली, सरगबुंदिया, पुरेना, मड़वारानी एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक ।
5	04.05.2026	सोमवार	33/11 के वी चिर्रा उपकेन्द्र	चिर्रा, गुरमा, पतरापाली, लबेद एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक।
6	05.05.2026	मंगलवार	33/11 के वी रामपुर उपकेन्द्र	बर्रा से रामपुर उपकेन्द्र के मध्य की लाईन।
7	06.05.2026	बुधवार	33/11 के वी भैसमा उपकेन्द्र	पताढ़ी, उरगा, कुरूडीह, कुदुरमाल, देवरमाल, मसान, भिलाईखुर्द एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 09:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक।

नोट :-
1. आवश्यकतानुसार समय-सीमा में परिवर्तन किया जा सकता है।
2. विद्युत देयक का भुगतान समय सीमा में करते हुये विद्युत विच्छेदन जैसी अप्रिय परिस्थितियों से बचें एवं कम्पनी को सहयोग प्रदान करें।

कार्यपालन अभियन्ता (सं./सं.)
छ.स्टे.पॉ. डिस्ट्री.कं. लिमि, कोरबा

सं.47667

नियम 11 देखिये)
कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात :-

जिला	तहसील	ग्राम / नगर	क्षेत्रफल (हेक्ट.) में	लोक प्रयोजन का विवरण
रायगढ़	रायगढ़	भेलवांटिकरा	1.274	भारी एवं अन्य वाहनों हेतु रिंग रोड़ / बायपास का निर्माण कार्य।

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई (दिनांक) 05/05/2026 को (समय) 11:00 बजे (स्थान) ग्राम पंचायत भवन भेलवांटिकरा पर नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है-

(एक) लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण भारी एवं अन्य वाहनों हेतु रिंग रोड़ / बायपास का निर्माण कार्य।
(दो) प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या -14
(तीन) अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या - 0
(चार) प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या - 0
(पाँच) प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या - 0
(छ) क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है ? हाँ
(सात) क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ? हाँ
(आठ) परियोजना की कुल लागत 500 करोड़
(नौ) परियोजना से होने वाले लाभशहर के मध्य से होकर जाने वाली भारी एवं अन्य वाहनों हेतु परिवर्तित मार्ग
(दस) प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :-5.00 लाख
(ग्यारह) परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी / सुझाव देना हो, तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

कलेक्टर
जिला-रायगढ़

जी.262700445/2

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

तब तेज धूप में नहीं होगा डिहाइड्रेशन

मेरी उम्र 27 साल है। मेरी फील्ड जॉब है। इन दिनों तेज धूप में मुझे डिहाइड्रेशन न हो इसके लिए मुझे कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए?

-साकेत, रायपुर

डिहाइड्रेशन से बचने के लिए आपको लगातार पानी पीते रहना चाहिए। मतलब आप घर से जब निकलें तो छाछ या नीबू पानी या लस्सी पीकर निकलें। पानी की बोतल अपने साथ रखें। करीब हर 1 घंटे बाद आपको पानी पीते रहना चाहिए। कोशिश करें कि सर को ढंक कर निकलें। अगर जरूरी ना हो तो दिन में 1 बजे से लेकर 4 बजे के बीच तेज धूप में निकलने से बचें। अगर लगातार धूप में रहना पड़ता है तो बीच में एक बार शिकंजी पी लें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मुझे नींद में दांत किटकिटाने की आदत है। कृपया बताएं ऐसा क्यों होता है? इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी बताएं।

-आशुतोष, बलौदा बाजार

हालांकि यह समस्या आमतौर पर बच्चों को होती है और जब उन्हें पेट में वॉर्म होते हैं, तब ऐसा करते हैं और तब उन्हें डी वॉर्मिंग की दवा देनी पड़ती है। इस तरह की समस्या ज्यादातर पेट से जुड़ी होती है। बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे जांच कराएंगे, तभी इलाज हो पाएगा।

मेरी उम्र 43 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मेरे पेट मे हल्का-हल्का दर्द हमेशा बना रहता है। खाना ठीक से नहीं पचता और वॉमिट जैसा फील होता है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-जतिन, रोहतक

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लगता है कि आपका डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है। जिस वजह से हल्का-हल्का दर्द रहता है और भूख भी कम लगती है। सबसे पहले आप अपना खान-पान ठीक करें, बाहर का खाना और जंक फूड बिल्कुल बंद कर दें। दोपहर के खाने में दही और सलाद जरूर शामिल करें। शाम को दलिया या खिचड़ी जैसा हल्का खाना खाएं। सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह बदलाव करने से अगर आराम ना मिले तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। कुछ महीनों से मेरा वजन लगातार कम हो रहा है और कमजोरी भी महसूस होती है। जबकि मेरी डाइट पहले की तरह ही है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है?

-नलिन, बिलासपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपकी डाइट और रूटीन पहले जैसा है और फिर भी वजन कम हो रहा है तो ऐसे मामले में बगैर फिजिकली देखे और जांच कराए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए आप जनरल फिजिशियन से संपर्क करें। वह जरूरी जांच करा कर ट्रीटमेंट कर सकेंगे।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। जब भी मैं कुछ दूर पैदल चलता हूं, मेरे पैरों में सूजन आ जाती है। रेस्ट करने पर यह सूजन अपने-आप ही ठीक हो जाती है। ऐसा क्यों होता है? इस प्रॉब्लम से बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-अभिसार, दुर्ग

पैरों में सूजन की वजह कई बार शुगर का बढ़ना होता है। सबसे पहले आप अपनी शुगर की जांच कराएं। अगर वह नॉर्मल है, तो आपकी मसल्स कमजोर हो सकती हैं, जिस वजह से चलने पर सूजन आ जाती है। इसके लिए आपको एक बार ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। वे जांच कर इसका ट्रीटमेंट करेंगे। फिलहाल लंबा चलना बंद कर दें।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। मुझे रात को ठीक से नींद नहीं आती। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। कृपया बताएं कि अब मुझे क्या करना चाहिए?

-कुलदीप, भोपाल

नींद की गोलियां लेना इस समस्या का समाधान नहीं है। बेहतर होगा कि आप इस बात पर गौर करें कि आपके जीवन में ऐसा क्या घटित हुआ है, जिस वजह से आपको नींद नहीं आ रही है। अगर आप ऐसा खुद नहीं कर सकते तो जरूर आपको एक बार मनोचिकित्सक से संपर्क कर लेना चाहिए। वे इसका इलाज बताएंगे क्योंकि नींद की दवा नियमित लेने से समस्या बढ़ेगी। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. सुदीप जैन
डायरेक्टर-स्पाइन सॉल्यूशंस इंडिया
नई दिल्ली

स्पेशलः वर्ल्ड एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस डे, 3 मई

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस यानी रीढ़ की हड्डी में होने वाला अर्थराइटिस, एक पेनफुल सीरियस डिजीज है। यह समस्या किसी को भी हो सकती है। लेकिन यंगस्टर्स को अवेयर रहने की ज्यादा जरूरत होती है। अगर इसके लक्षणों का ध्यान रखा जाए और शुरुआती दौर में ही सही ट्रीटमेंट करवाया जाए तो पेशेंट पूरी तरह ठीक हो सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस यंगस्टर्स को भी रहना होगा अवेयर

हालांकि वैसे तो किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति, एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस (संक्षेप में एएस) से ग्रस्त हो सकते हैं लेकिन आमतौर पर यह बीमारी किशोर-किशोरियों (टीनएजर्स) से लेकर 30 वर्ष की आयु वालों को तुलनात्मक रूप से कहीं ज्यादा अपनी गिरफ्त में ले सकती है। यानी युवा वर्ग के लिए एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या उनकी सेहत के लिए बड़ी समस्या बन सकती है, लेकिन तसल्ली की बात यह है कि समय रहते इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में एएस की समस्या अधिक आम है।

क्या होती है यह समस्या

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, रीढ़ की हड्डी का गठिया यानी अर्थराइटिस है। यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर का रोग प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) अपनी रक्षक की भूमिका छोड़कर भक्षक बन जाता है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर के जोड़ों की स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करती है। इसके अलावा एएस की समस्या में आनुवंशिक कारक (एच एल ए-बी 27 जीन) भी भूमिका निभाते हैं।

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी के जोड़ों को प्रभावित करती है। इस समस्या में रीढ़ की कशेरुकाएं (वर्टिब्रा) आपस में जुड़ सकती हैं, जिससे कमर में गंभीर अकड़न और दर्द होता है। वस्तुतः एएस, रीढ़ के निचले हिस्से सैक्रोइलिएक ज्वाइंट, कूल्हों, कंधों, गर्दन और पसलियों के बीच के जोड़ों को प्रभावित करता है।

दिख सकते हैं ये लक्षण

- कूल्हों और पीठ के निचले हिस्से में लगातार दर्द और अकड़न, जो नींद से जागने पर सुबह बढ़ सकती है।
- लंबे समय तक बैठने/आराम करने के बाद भी पीठ और कूल्हों में दर्द और अकड़न की समस्या बढ़ सकती है।
- कालांतर में गर्दन और ऊपरी पीठ में भी अकड़न आ सकती है।
- गर्दन में दर्द हो सकता है।
- आराम करने पर दर्द बढ़ना। इसका आशय यह है कि सक्रिय रहने या चलने-फिरने से दर्द में कमी आती है।
- रीढ़ की हड्डी में सूजन भी हो सकती है।
- आंखों में सूजन यानी यूविआइटिस होना।
- पसलियों के जोड़ों के प्रभावित होने से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।
- कालांतर में एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या की गंभीर स्थिति में रीढ़ (स्पाइन) आगे की ओर मुड़ जाती है, जिसे काइफोसिस या 'हंचबैक' कहा जाता है।
- इसकी गंभीर स्थिति में बैंबू स्पाइन की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिसमें रीढ़ बांस की तरह सख्त और लचीलापन रहित हो जाती है।

हो सकती है काइफोसिस की समस्या

एएस और काइफोसिस के बीच गहरा संबंध है। एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, गठिया का एक प्रकार है। वहीं काइफोसिस, एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस के कारण कालांतर में उत्पन्न हो सकने वाली एक शारीरिक विकृति (रीढ़ का आगे झुकना) है। जैसे-जैसे एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या आगे बढ़ती है, तब रीढ़ की हड्डी में अकड़न-जकड़न के कारण रीढ़ आगे की ओर मुड़ जाती है, जिसे काइफोसिस कहा जाता है। काइफोसिस की यह स्थिति व्यक्ति को आगे की ओर झुकी मुद्रा में खड़ा होने पर मजबूर कर सकती है। गंभीर स्थिति में इसके कारण सीने का फैलाव कम हो सकता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इस समस्या की गंभीर और जटिल स्थिति में कार्डियो-रेस्पिरेटरी फेल्योर की गंभीर मेडिकल कंडीशन उत्पन्न हो सकती है। इस गंभीर स्थिति में बेहोशी, सांस न आना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं।

काइफोसिस का सर्जिकल इलाज

काइफोसिस की शुरुआती स्थिति में मिनिमली इनवेसिव प्रक्यूटेनियस काइफोसिस करेक्शन सर्जरी की जाती है, जो ओपन सर्जरी के तुलना में मरीज के लिए कहीं ज्यादा सुरक्षित और कम से कम जोखिम वाली है। वहीं काइफोसिस की गंभीर स्थिति का इलाज काइफोसिस करेक्शन सर्जरी के जरिए किया जाता है, जिसमें पूरी स्पाइन की जटिलताओं को ठीक किया जाता है।

एएस से बैंबू स्पाइन की समस्या

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की गंभीर स्थिति बैंबू स्पाइन की समस्या उत्पन्न करती है। ऐसी स्थिति में बिना हल्का झटका या जर्क लगने पर किसी चोट या आघात के बगैर रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त (फ्रैक्चर्ड) हो जाती है। स्पाइन फ्रैक्चर के कारण मरीज लकवा से ग्रस्त हो सकता है।

बैंबू स्पाइन का सर्जिकल इलाज

एएस से उत्पन्न बैंबू स्पाइन की समस्या में फ्रैक्चर का इलाज बगैर किसी चीज फाड़ के परक्यूटेनियस कैन्युलेटेड स्क्रू डालकर ऐसे फ्रैक्चर को फिक्स कर दिया जाता है। इस सर्जरी को मिनिमली इनवेसिव परक्यूटेनियस कैन्युलेटेड स्क्रू फिक्सेशन सर्जरी कहा जाता है, जो रीढ़ की हड्डी के फ्रैक्चर के इलाज के लिए एक आधुनिक और कम नुकसान वाली सर्जिकल तकनीक है। इसमें पारंपरिक ओपन सर्जरी की तुलना में बहुत छोटे चीरे लगाए जाते हैं।

ट्रीटमेंट के तरीके

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस के दुष्प्रभावों को नियंत्रित करने के लिए उपचार की दो विधियां हैं- गैर सर्जिकल और सर्जिकल। मरीज की बीमारी की स्थिति, उसकी उम्र और लक्षणों के आधार पर विशेषज्ञ डॉक्टर उपचार की प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं। नॉन स्टेराइडल एंटी इन्फ्लेमेटरी ड्रग्स दर्द और सूजन कम करने के लिए डॉक्टर के परामर्श से ही दी जाती हैं। जबकि डिजीज-मॉडिफाइंग ड्रग्स, डॉक्टर के परामर्श से ऑटोइम्यून बीमारियों के अंतर्निहित कारणों को ठीक करने या उनके बढ़ते दुष्प्रभाव को धीमा करने के लिए दी जाती हैं।

एक्सरसाइज और फिजियोथेरेपीः इनसे रीढ़ की हड्डी के विकार को रोकने या उसे कम करने में मदद मिलती है। तैराकी, योग, और स्ट्रेचिंग बहुत फायदेमंद हैं। लेकिन डॉक्टर से परामर्श लेकर ही व्यायाम और फिजियोथेरेपी करवानी चाहिए।

सर्जरी ट्रीटमेंटः एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस के कारण काइफोसिस और बैंबू स्पाइन की समस्या में जब मरीज को दवाओं और अन्य उपायों से राहत नहीं मिलती, तब विशेषज्ञ डॉक्टर मरीज को सर्जरी करने का परामर्श दे सकते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

आजमा सकते हैं ये उपाय

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस से राहत पाने में इन सुझावों पर अमल करना लाभप्रद है।

- सुबह की अकड़न कम करने के लिए गर्म पानी से नहाएं या हीट पैक का उपयोग करें।
- रांग पोस्चर्स से बचें। रांग पोस्चर उस स्थिति को कहते हैं, जिसमें बैठने और चलने-फिरने या किसी कार्य को अंजाम देते वक्त पर रीढ़ की हड्डी एक तरफ झुकी हुई हो या फिर तिरछी स्थिति में हो, यानी अपने नेचुरल कर्व में न हो। जो लोग एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस से पीड़ित हैं, उन्हें रांग पोस्चर्स से बचना चाहिए और अपनी रीढ़ की हड्डी को जहां तक संभव हो उठते, बैठते और चलते समय सीधा रखने का प्रयास करना चाहिए। जो लोग एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस से पीड़ित नहीं हैं, उन्हें भी रांग पोस्चर्स से बचना चाहिए।

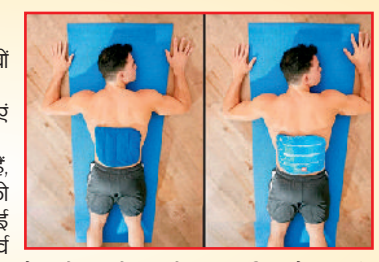

मेंटल हेल्थ

शिखर चंद जैन

आज के दौर में अपनी हेल्थ और फिटनेस के प्रति कॉन्शस लोग कई हेल्थ एप्स का यूज करते हैं। लेकिन कई बार इन एप्स पर ओवर डिपेंडेंसी मेंटली स्ट्रेस पैदा करने लगती है। यही हेल्थ एप बर्नआउट कहलाता है। इसके कारण और बचने के उपायों के बारे में जानिए।

कहीं आपको भी हेल्थ एप बर्नआउट की समस्या तो नहीं!

आज के दौर में हाथ में बंधी 'स्मार्टवॉच' सिर्फ डिजिटल समय नहीं बताती, वह उपयोगकर्ता की धड़कन, नींद, कदम और यहां तक कि उसके तनाव के स्तर पर भी नजर रखती है। इसी तरह कई वियरेबल गैजेट्स या मोबाइल एप ऐसे हैं, जो आपकी बीपी, एक्टिविटी आदि की जानकारी देते हैं। पहली नजर में यह सेहत के प्रति एलर्ट रहने का बेहतरीन तरीका लगता है, लेकिन इसका दूसरा पहलू जरा चौंकाने वाला है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शोध और मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट्स बताती हैं कि अब लोग 'एप बर्नआउट' के शिकार होने लगे हैं। दरअसल एक सीमा तक तो इन पर निर्भरता ठीक है मगर जब इनका ओवरयूज होने लगता है तो ये आपकी मदद करने के बजाय आपको मानसिक रूप से थकाने और तनाव देने लगते हैं। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां आप हेल्थ से ज्यादा डेटा और नंबर्स पर डिपेंड होने लगते हैं।

क्यों होता है बर्न आउटः हर कदम, हर कैलोरी और नींद के हर मिनट को ट्रैक करना दिमाग को थका देता है। ऐसा लगता है जैसे आप खुद को नहीं, बल्कि किसी 'प्रोजेक्ट' को मैनेज कर रहे हैं।

कैसे पहुंचाते हैं नुकसानः विभिन्न हेल्थ रिपोर्ट्स के अनुसार, कैलोरी काउंट करने और हर निवाले का हिसाब रखने वाले एप्स लोगों में खाने के प्रति एक असामान्य डर पैदा कर देते हैं। इसे ऑर्थोरेक्सिया कहा जाता है, यानी हेल्दी-बैलेंस्ड खाने का ऐसा जुनून, जो मानसिक तनाव का कारण बन जाए।

स्लीप एंग्जायटीः जर्नल ऑफ क्लिनिकल स्लीप मेडिसिन की एक रिपोर्ट के अनुसार, जो लोग अपनी नींद को एप पर ट्रैक करते हैं, वे अकसर 'ऑर्थोसोमनिया' के शिकार हो जाते हैं। यह वह स्थिति है, जहां व्यक्ति अपनी नींद की गुणवत्ता को लेकर इतना चिंतित रहता है कि उसी चिंता के कारण उसे नींद नहीं आती। अगर एप सुबह पुअर स्लिप दिखाता है, तो व्यक्ति पूरा दिन थका हुआ महसूस करता है, भले ही वह असल में फ्रेश महसूस कर रहा हो।

सामाजिक तुलना का दबावः फिटनेस एप्स अक्सर लीडरबोर्ड दिखाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के एक शोध के मुताबिक, जब महिलाएं अपने स्टेप्स या वर्कआउट की तुलना दूसरों से करती हैं, तो उनमें हीन भावना पैदा होती है। यह डिजिटल कॉम्पिटिशन, सेहत सुधारने के बजाय तनाव को जन्म देता है।

शरीर के संकेतों की अनदेखीः हमारा शरीर थकने पर आराम मांगता है, लेकिन फिटनेस बैंड कहता है, 'सिर्फ 500 कदम और!' मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि एप्स पर अत्यधिक निर्भरता के कारण हम अपनी आंतरिक समझ खो रहे हैं। हम प्यास लगने पर पानी नहीं पीते, बल्कि एप के नोटिफिकेशन पर पानी पीते हैं।

नोटिफिकेशन फटीगः दिन भर में आने वाले दर्जनों अलर्ट- 'पानी पिएं, खड़े हो जाएं, गहरी सांस लें' दिमाग को शांत करने के बजाय उसे अलर्ट मोड पर रखते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि बार-बार आने वाले ये डिजिटल एलर्ट एकाग्रता को भंग करते हैं और कॉर्टिसॉल के स्तर को बढ़ाते हैं।

प्राइवेसी और डेटा सुरक्षा की चिंताः ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई हेल्थ एप्स यूजर का डेटा तीसरे पक्ष को बेचते हैं। अपनी पीरियड साइकिल, मूड और लोकेशन जैसी निजी जानकारियां साझा करने का डर भी अनजाने में एक मानसिक तनाव पैदा करता है।

फिटनेस और वेलनेस के बीच का अंतर मिटनाः फिटनेस का मतलब है शारीरिक क्षमता, जबकि वेलनेस का मतलब है समग्र कल्याण। हेल्थ एप्स अकसर केवल शारीरिक आंकड़ों पर ध्यान देते हैं। एप्स इमोशनल हेल्थ मॉनिटर नहीं कर सकते।

हेल्थ एप बर्नआउट के लक्षणः दिन भर में दर्जनों बार स्टेप्स या कैलोरी चेक करना। यदि किसी दिन लक्ष्य पूरा न हो (जैसे 10,000 कदम न चल पाना), तो खुद को असफल महसूस करना। नींद के डेटा को देखकर यह सोचना कि मेरी नींद अच्छी नहीं थी। भले ही आप उठने पर फ्रेश महसूस कर रहे हों। वर्कआउट या वॉक इसलिए करना क्योंकि एप कह रहा है, न कि इसलिए कि आपको खुशी मिल रही है।

इससे बचने के उपायः अनावश्यक चिंता और दवाब से बचने के लिए 'इंट्यूइटिव लिविंग' अपनाएं। एप्स पर निर्भर रहने के बजाय अपने शरीर के संकेतों को सुनना शुरू करें। अगर आप थके हुए हैं, तो एप के कीप गोइंग नोटिफिकेशन के बावजूद आराम करें। शरीर की सुनें, सॉफ्टवेयर की नहीं। हर 1 घंटे में उठने या पानी पीने के रिमाइंडर दिमाग में एक चेकलिस्ट की तरह तनाव पैदा करते हैं। केवल सबसे जरूरी नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब बंद कर दें। पानी पीने या टहलने को आदत में शामिल करें। वीक में कम से कम एक या दो दिन (जैसे शनिवार या रविवार) अपनी स्मार्टवॉच उतार दें और किसी भी एप में डेटा फीड न करें। बिना किसी डिजिटल हस्तक्षेप के अपनी वॉक या खाने का आनंद लें। हर चीज के लिए अलग एप (पानी, नींद, खाना, कदम, मेडिटेशन) रखने के बजाय केवल 1 या 2 सबसे महत्वपूर्ण हेल्थ एप चुनें। तभी आप स्वस्थ रहेंगे। *

उपभोक्ता कीमत और मात्रा को लेकर भ्रमित हो रहें

उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रहे खाद्य तेलों के गैर-मानक पैक

एजेंसी ▶▶| इंदौर

प्रसंस्करणकर्ताओं के इंदौर स्थित संगठन सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) ने खाद्य तेलों की पैकेजिंग में इस्तेमाल किए जा रहे गैर-मानक पैक आकारों को उपभोक्ताओं के लिए भ्रामक बताते हुए केंद्र सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन ने कहा कि कई कंपनियां खाद्य तेलों के ऐसे पैक आकार बाजार में उतार रही हैं जिनसे उपभोक्ता कीमत और मात्रा को लेकर भ्रमित हो रहे हैं। सोपा के कार्यकारी निदेशक डीएन पाठक ने बुधवार को बताया कि संगठन ने इस संबंध में केंद्रीय उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव को पत्र लिखा है।

पैक के बीच मात्रा का अंतर 25 या 50 ग्राम

सोपा के अनुसार इनमें कई पैक आकार में लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं लेकिन उनमें मात्रा अलग-अलग होती है और कई पैक के बीच मात्रा का अंतर केवल 25 या 50 ग्राम का है। पत्र में कहा गया,/" यह उपभोक्ताओं को भ्रमित करने का स्पष्ट उदाहरण है। बाजार में इस तरह के मामले व्यापक रूप से मौजूद हैं और बिना किसी अपवाद के सामान्य उपभोक्ताओं को गुमराह करते हैं।

सोपा ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की

मानकीकरण नहीं होने से नियमों का पालन नहीं : सोपा ने कहा कि मानकीकरण नहीं होने की स्थिति में नियमों का पालन करने वाली कंपनियां भी प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए गैर-मानक पैक आकार में उत्पाद बेचने को मजबूर हो रही हैं। संगठन ने अपने पत्र के साथ एक खाद्य तेल ब्रांड का विज्ञापन भी संलग्न किया है जिसमें 19 अलग-अलग पैक आकारों में तेल बेचे जाने का उल्लेख किया गया है।

मूल्य पैसे में व दशमलव में लिखा जाता है

सामान्य खुदरा उपभोक्ता प्रति मिलीलीटर या प्रति ग्राम कीमत की गणना करके उसे एक लीटर या एक किलोग्राम की सामान्य इकाई में नहीं बदलता, खासकर तब जब प्रति इकाई मूल्य पैसे में और दशमलव के साथ लिखा जाता है जैसे 24.72 पैसे प्रति मिलीलीटर।/"

दिखने में दोनों पाउच समान

पत्र में उपभोक्ताओं के भ्रम की स्थिति का उदाहरण देते हुए कहा गया,/" किसी उपभोक्ता को अक्सर दिखने में लगभग समान दो पाउच बताए जाते हैं जिनमें से एक में 880 मिलीलीटर और दूसरे में 910 मिलीलीटर तेल होता है। 880 मिलीलीटर वाला पाउच कीमत में सस्ता दिखता है जिससे उपभोक्ता उसे बेहतर सौदा समझकर चुन लेता है जबकि प्रति लीटर मूल्य के मान से उसकी वास्तविक कीमत अधिक होती है।/"

पैकेट पर प्रति इकाई मूल्य की जानकारी देना हो अनिवार्य

पत्र में कहा गया कि खाद्य तेल उद्योग की पांच राष्ट्रीय संस्थाओं ने पहले भी संयुक्त रूप से इस विषय पर प्रस्तुतीकरण देकर उपभोक्ताओं के हित में खाद्य तेलों की पैकेजिंग मात्रा के मानकीकरण की सिफारिश की थी। पत्र में कहा गया, सरकार ने अच्छी मंशा के साथ खाद्य तेलों की पैकेजिंग में मानक मात्रा संबंधी प्रतिबंध हटाए थे और पैकेट पर प्रति इकाई मूल्य की जानकारी देना अनिवार्य किया था।

प्रति इकाई मूल्य घोषित होने पर मानकीकरण की जरूरत नहीं

सोपा ने उन दलीलों को भी खारिज किया जिनमें कहा जाता है कि पैकेट पर प्रति इकाई मूल्य घोषित होने के बाद पैकेजिंग के मानकीकरण की जरूरत नहीं रह जाती और किसी भी आकार का पैक उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी होता है। संगठन ने कहा, /" यह तर्क निराधार है।

खबर संक्षेप

वेदांता के शुद्ध लाभ में 89 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 89 प्रतिशत उछलकर 9,352 करोड़ रुपये हो गया। बिक्री मात्रा में वृद्धि और रुपये की कमजोरी से यह लाभ बढ़ा है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 4,961 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

डालमिया भारत के लाभ में 10 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। सीमेंट बनाने वाली कंपनी डालमिया भारत लि. का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में 10.25 प्रतिशत घटकर 394 करोड़ रुपये रहा। डालमिया भारत ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने इससे एक साल पहले 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 439 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफ़ा अर्जित किया था।

पंजाब एंड सिंध बैंक की शेयर बेचने की योजना

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने बाजार नियामक सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों को पूरा करने के लिए निजी नियोजन के आधार पर शेयर बिक्री के जरिए 3,000 करोड़ रुपये तक जुटाने का लक्ष्य रखा है। सेबी के नियमों के अनुसार सूचीबद्ध संस्थाओं में कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता होना अनिवार्य है।

इंडियन बैंक के मुनाफे में पांच फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 3,103 करोड़ रुपये रहा। एनपीए यानी फंसे कर्ज में कमी से बैंक के मुनाफे में यह बढ़ोतरी हुई। चेन्नई मुख्यालय वाले इस बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 2,956 करोड़ रुपये रहा था।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने जारी की रिपोर्ट

तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 14 रुपए, डीजल पर 18 रुपए प्रति लीटर का नुकसान: रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि यदि कच्चे तेल की कीमत 120-125 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बनी रहती है, तो पेट्रोलियम कंपनियों का विपणन मार्जिन आगे भी नकारात्मक बना रहेगा, जिससे कंपनियों की लाभप्रदता प्रभावित हो रही है। इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा, /"कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद वाहन ईंधन की कीमतों में स्थिरता से पेट्रोलियम कंपनियों की मुनाफा कमाने की क्षमता पर असर पड़ रहा है।/"

पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आने के बावजूद पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतें स्थिर रहने से तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री पर क्रमशः 14 रुपये एवं 18 रुपये प्रति लीटर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

- कारण, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल
- कच्चे तेल की कीमत 120 से 125 डॉलर प्रति बैरल के बीच
- स्थिर कीमतों से कंपनियों की लाभप्रदता प्रभावित हो रही

रिफाइरी व विपणन कंपनियों पर दबाव बढ़ा : इक्रा ने कहा कि करीब 20 प्रतिशत वैश्विक तेल एवं गैस आपूर्ति वाले समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधाओं के कारण ईंधन, उर्वरक और रसायनों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इससे कीमतों में वृद्धि और तेल रिफाइनरी और विपणन कंपनियों पर लागत दबाव बढ़ा है।

एलपीजी पर भी भारी नुकसान होने की आशंका

रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल-डीजल के अलावा रसोई गैस (एलपीजी) पर भी भारी 'अंडर-रिकवरी' यानी नुकसान होने की आशंका है, जो वित्त वर्ष 2026-27 में करीब 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं, इस अवधि में उर्वरक सब्सिडी बढ़कर 2.05 लाख करोड़ से 2.25 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच जाने का अनुमान है, जो 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से काफी अधिक है।

कंपनियां लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पा रही

रिपोर्ट के मुताबिक, ऊर्जा और कच्चे माल की अधिक लागत का असर तेल विपणन, उर्वरक, रसायन और शहरी गैस वितरण क्षेत्रों की लाभप्रदता पर पड़ेगा, क्योंकि कंपनियां लागत का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पा रही हैं। इक्रा ने कच्चे तेल रिफाइनिंग क्षेत्र के लिए परिदृश्य 'स्थिर' रखा है, लेकिन ईंधन खुदरा बिक्री, उर्वरक, बेसिक केमिकल और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों के लिए 'नकारात्मक' दृष्टिकोण जताया है।

क्रूड ऑयल 115 डॉलर के पार

अमेरिका से युद्ध के बीच ईरान की ओर से तेल आपूर्ति के ब्लॉकेज की खबरों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में खलबली मचा दी है, जिसके चलते कच्चे तेल की कीमतें अचानक उछलकर 115 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते इस भू-राजनीतिक तनाव ने न केवल सप्लाई चेन के टूटने का डर पैदा कर दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने महंगाई का नया संकट भी खड़ा कर दिया है। भारत जैसे देशों के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करते हैं, यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि कच्चे तेल के दाम बढ़ने से पेट्रोल-डीजल की कीमतों और परिवहन लागत में भारी बढ़ोत्तरी की आशंका बढ़ जाती है।

कच्चे तेल में तेजी से भारत की वृद्धि दर घटने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें अधिक रहने की स्थिति में चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर करीब छह प्रतिशत रह सकती है, जबकि खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर छह प्रतिशत तक पहुंच सकती है। ईवाई इंडिया ने बुधवार को यह आकलन जारी किया।

परामर्श कंपनी ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने कहा कि यदि भारतीय कच्चे तेल 'बास्केट' की औसत कीमत वित्त वर्ष 2026-27 में 120 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो वास्तविक जीडीपी वृद्धि करीब छह प्रतिशत और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत तक बढ़ सकती है। श्रीवास्तव ने कहा, /"राजकोषीय घाटे पर दबाव कम करने के लिए बढ़ी ऊर्जा कीमतों का असर अपेक्षाकृत अधिक हद तक उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होगा।/" ईवाई की इकॉनमी वॉच

- ईवाई इंडिया ने करीब छह प्रतिशत रहने का अनुमान जताया
- नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है

रिपोर्ट के मुताबिक, नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, लेकिन हालात को देखते हुए रेपो दर में बढ़ोतरी और कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों में तेजी से विविधीकरण पर विचार किया जाना चाहिए।

श्रीवास्तव ने पश्चिम एशिया संकट लंबा खिंचने की आशंका जताते हुए कहा कि इसका हल निकल जाने पर भी कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति के सामान्य होने में खासा समय लग सकता है।

वैश्विक संस्थाओं का अनुमान अधिक आशावादी

हालांकि, संकट की दिशा बदलने पर कीमतों में नरमी भी आ सकती है। वैसे, भारत के लिए विभिन्न वैश्विक संस्थानों के अनुमान इससे कुछ अधिक आशावादी हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जबकि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक ने क्रमशः 6.9 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत का अनुमान जताया है।

शेयरों में खरीदारी से बाजार में तेजी, सेंसेक्स 609 अंक उछला

एजेंसी ▶▶|मुंबई

एशियाई बाजारों में मजबूती और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, वाहन एवं दूरसंचार शेयरों में लिवाली के बीच बुधवार को घरेलू बाजार चढ़कर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि एनएसई निफ्टी में 182 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 609.45 अंक उछलकर 77,496.36 अंक अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,095.6 अंक तक चढ़ गया था। निफ्टी 181.95 अंक यानी 0.76 प्रतिशत बढ़कर 24,177.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईटीसी लिमिटेड, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर चढ़कर बंद हुए। दूसरी तरफ, इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट देखी गई। प्रमुख वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी का शेयर सकारात्मक नतीजों के बाद 2.82 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 14,679.5 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

- एफएमसीजी, वाहन और दूरसंचार शेयरों में खरीदारी
- निफ्टी में भी 182 अंक की तेजी रही

तेजी के पीछे कंपनियों के परीणाम

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, /"बाजार में तेजी के पीछे तिमाही नतीजों से जुड़ी उम्मीद और चुनिंदा प्रमुख कंपनियों में खरीदारी प्रमुख कारण रहे। हालांकि कच्चे तेल के दाम 110 डॉलर प्रति बैरल के पार चले जाने से तेजी पर लगाम रही।/"

केआईआईटी-डीयू की बड़ी छलांग, एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में देश में छठा स्थान

भुवनेश्वर। केआईआईटी-डीयू ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचएसई) एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में केआईआईटी को भारत के सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में छठा स्थान मिला है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने ओडिशा और पूरे पूर्वी भारत में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वैश्विक स्तर पर भी केआईआईटी ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। एशिया रैंकिंग में विश्वविद्यालय 169वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि 2024 में यह 196वें और 2025 में 184वें स्थान पर था। यह लगातार सुधार विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध क्षमता को दर्शाता है। संस्थापक डॉ. अच्युता सामंता ने इसे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि नवाचार और अंतरराष्ट्रीयकरण पर जोर ने केआईआईटी को वैश्विक शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

पतंजलि का 'चंदन वन' मॉडल बना नई उम्मीद

हरिद्वार। देश में चंदन की खेती लंबे समय तक दक्षिण भारत तक सीमित मानी जाती रही, लेकिन उत्तराखंड में विकसित पतंजलि के 'चंदन वन' मॉडल ने इस धारणा को बदल दिया है। हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में करीब दो दशक पहले शुरू किए गए प्रयोग अब सफल परिणाम दे रहे हैं। पतंजलि के रिसर्च सेंटर और औषधीय उद्यान में लगाए गए चंदन के पौधों के अध्ययन में सकारात्मक नतीजे मिलने के बाद राज्य के कई जिलों में किसान और निजी संस्थाएं इस मॉडल को अपना रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार चंदन अर्ध-परजीवी वृक्ष है, जिसकी सफल खेती वैज्ञानिक पद्धति और उचित प्रबंधन पर निर्भर करती है। आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में चंदन की खेती किसानों के लिए हाई-वैल्यू फसल साबित हो सकती है। उनका कहना है कि 10 से 15 वर्षों में तैयार होने वाला एक चंदन का पेड़ लगभग 1 से 1.5 लाख रुपए तक का लाभ दे सकता है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 94.82 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 14 पैसे टूटकर 94.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह अब तक के अपने सबसे निचले स्तर के करीब है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से रुपये पर दबाव बना हुआ है। कच्चा तेल लगभग 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत के आयात खर्च पर असर पड़ने की आशंका है।

पश्चिम एशिया में जारी संकट और इसके व्यापक संघर्ष में बदलने की आशंकाओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। विश्लेषकों के अनुसार, निवेशक अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

बागमाने प्राइम ऑफिस रीट के आईपीओ का मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली। ब्लैकस्टोन समर्थित बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी रीट ने 3,405 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95 से 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। बेंगलुरु स्थित इस रीट (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट) का सार्वजनिक निर्गम पांच मई को खुलेगा और सात मई को बंद होगा जबकि बड़े (एंकर) निवेशक चार मई को बोली लगा पाएंगे।

ईरान की मुद्रा रियाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर

तेहरान। ईरान की राष्ट्रीय मुद्रा रियाल बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लुढ़क कर 18 लाख प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। यह गिरावट ऐसे समय आई है जब अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष के बाद लागू युद्धविराम अभी भी बना हुआ है। 28 फरवरी से शुरू युद्ध के दौरान रियाल कई हफ्तों तक अपेक्षाकृत स्थिर रहा, क्योंकि देश में कारोबार और आयात गतिविधियां काफी सीमित थीं। हालांकि, दो दिन पहले रियाल में गिरावट शुरू हुई और बुधवार को यह रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रियाल में यह गिरावट महंगाई को और बढ़ा सकती है, क्योंकि खाद्य पदार्थों, दवाइयों, इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे माल जैसे कई आयातित उत्पाद डॉलर की दर से प्रभावित होते हैं।

सोना 1,500 रुपए टूटा चांदी में मामूली बढ़त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमत में 1,500 रुपये की गिरावट आई और यह 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट मुनाफावसूली के कारण हुई, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर के बारे में फैसले से पहले कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, हालांकि, चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त दर्ज की गई। यह 500 रुपये बढ़कर 2,44,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। मंगलवार को यह 2,44,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। सर्राफा संघ के अनुसार 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,500 रुपये यानी एक प्रतिशत गिरकर 1,52,800 रुपये (सभी करों सहित) प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोने की कीमत 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। सर्राफा कारोबारियों ने पश्चिम एशिया में तनाव के कारण ऊर्जा की बढ़ती लागत पर गौर किया।

कार्यालय नगर पंचायत जरही, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
Email- jarhi_nagarpanchyat@rediffmail.com

क्रमांक / 603 / लो.नि../ न.प./2026-2027 जरही दिनांक 29/04/2026

-: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पजीकृत ठेकेदारों से निम्नालिखित कार्य हेतु ऑनलाईन ई-प्रोक्योरमेट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में आमत्रित की जाती है

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि (लाख)	निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	189988	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Jarhi. Chhattisgarh	27.35	22.05.2026 5:30 PM

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईट http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत जरही
जिला-सूरजपुर (छ.ग)

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT PAMGARH DISTIRCT - JANJGIR-CHAMPA (C.G.)

E-procurement Tender Notice (1ST) Format
Main Portal: https://cgeprocurement.gov.in

NIT. No. 438 Pamgarh, Date-28/04/2026

Online bids are invited for followings works up to 20/05/2026

Sr. No.	System Tender no.	Name of work	Probable Amount of Contract (In Lakh)	Earnest Money (In Rs.)	Class of Contractor
1	190000	Muktidham Upgradation Work Located in Ward No. 05	39.10	29,500/-	D & Above Class

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 29/04/2026 at 17:30 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पामगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा)
(ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन)
जोनल कार्यालय जनपद पंचायत कार्यालय के पास भवन क्रमांक बीआर-04 रायगढ़ (छ.ग.)
फोन-07762-355410 e-mail: credarorgh@rediffmail.com

पत्र क्रमांक 264/ क्रेडा/2026-27 रायगढ़ दिनांक 29.04.2026

"सेवाकर्ता इकाईयों से रूचि की अभिव्यक्ति"

क्रेडा जोनल कार्यालय रायगढ़ अंतर्गत जिला रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, जांजगीर-चाम्पा एवं सक्ती हेतु क्रेडा द्वारा स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों यथा सोलर ड्यूल पंप, सोलर पेयजल पंप, सोलर हाई मास्ट एवं अन्य संयंत्रों के संचालन, संधारण, रखरखाव तथा सौर सुजला योजनांतर्गत स्थापित सोलर सिंचाई पंपों एवं सोलर होम लाईट संयंत्रों के मॉनिटरिंग कार्य हेतु परियोजना आवश्यकता की अवधि तक वार्षिक अनुबंध के आधार पर सेवाकर्ता इकाईयों से रूचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.) अंतर्गत आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है। संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

क्रमांक	जिला का नाम	समस्त सौर ऊर्जा संयंत्रों यथा सोलर ड्यूल पंप, सोलर पेयजल पंप, सोलर हाई मास्ट एवं अन्य संयंत्रों के संधारण एवं रखरखाव तथा सौर सुजला योजना अंतर्गत स्थापित सोलर सिंचाई पंपों तथा सोलर होम लाईट संयंत्रों के मॉनिटरिंग कार्य हेतु सेवाकर्ता इकाई की संख्या	योग
1	रायगढ़	14	14
2	सक्ती	07	07
3	जांजगीर-चाम्पा	07	07
4	सारंगढ़-बिलाईगढ़	03	03
	कुल	31	31

सेवाकर्ता इकाई हेतु निर्धारित योग्यता :-केवल इकाई/सेवाकर्ता इकाई ही आवेदन हेतु पात्र होगी। व्यक्तिगत आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सेवाकर्ता इकाई से आशय आवश्यक तकनीकी मानव संसाधन युक्त सक्षम इकाई से है, जिसमें न्यूनतम एक कुशल तकनीशियन तथा एक सहायक (हेल्पर) उपलब्ध होना आवश्यक होगा। कुशल तकनीशियन के पास किसी मान्यता प्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था / संस्थान से इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, प्लम्बर, फिटर, सोलर तकनीशियन अथवा समकक्ष ट्रेड में औद्योगिक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र धारित होना आवश्यक होगा। **अनुभव :** सोलर पावर प्लांट एवं उससे संबंधित पी.डी.एन. के संचालन, संधारण एवं रखरखाव कार्य का अनुभव अथवा सोलर ड्यूल पंप / सोलर पंपों तथा पाइप लाइन के संधारण एवं रखरखाव कार्य का अनुभव रखने वाले आवेदक को वरीयता दी जावेगी। संबंधित विकासखण्ड अथवा संबंधित क्लस्टर क्षेत्र का स्थानीय निवासी होने पर अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे।

अन्य शर्तें व जानकारियां : आवेदक इकाई द्वारा नियोजित आवश्यक कार्मिकों का स्थानीय क्षेत्र की जानकारी होना वांछनीय होगा। आवेदक इकाई के पास संचालन, संधारण एवं रखरखाव कार्य हेतु स्वयं का मोटर सायकल उपलब्ध होना तथा संबंधित चालक/कार्मिक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य होगा। रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.) अंतर्गत आवेदन पत्र तथा नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी, आवेदन प्रपत्र शुल्क राशि रुपये 100/- जमा कर दिनांक 30.04.2026 से 15.05.2026 तक कार्यालयीन समय में संबंधित क्रेडा, जिला कार्यालय से प्राप्त की जा सकेगी। निर्धारित प्रारूप में पूर्ण आवेदन पत्र संबंधित क्रेडा, जिला कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 20.05.2026 सायं 05:00 बजे तक होगी। किसी भी आवेदन पत्र अथवा ई.ओ.आई. आमंत्रण को पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से स्वीकार/अस्वीकार करने तथा सेवाकर्ता इकाईयों की संख्या में परिवर्तन का अधिकार क्रेडा के पास सुरक्षित रहेगा। प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रमाण पत्र सत्यापन एवं दस्तावेजों का परीक्षण दिनांक 21.05.2026 (रायगढ़ एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ हेतु) एवं 22.05.2026 (जांजगीर-चाम्पा एवं सक्ती) को प्रातः 11:00 बजे से क्रेडा जोनल कार्यालय रायगढ़ में किया जावेगा। चयनित इकाई अथवा उसके द्वारा नियोजित कोई भी तकनीशियन, हेल्पर, ऑपरेटर अथवा अन्य कार्मिक किसी भी स्थिति में क्रेडा का कर्मचारी नहीं माना जावेगा। निष्पादित अनुबंध केवल निर्धारित कार्यों के निष्पादन हेतु होगा तथा उससे किसी प्रकार का सेवा संबंध निर्मित नहीं होगा। शेष नियम एवं शर्तें ई.ओ.आई. नियमावली में उल्लेखित रहेंगी। यह सूचना किसी पद पर नियुक्ति हेतु नहीं है, अपितु सेवाकर्ता इकाई के चयन हेतु है। अन्य जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर प्रदर्शित है।

कार्यपालन अभियंता
क्रेडा, जोनल कार्यालय रायगढ़

प्रथम पृष्ठ का शेष

बंगाल में भाजपा...

में नौ अप्रैल तथा तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ था।
पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार शाम आए कई चुनाव सर्वेक्षण एजेंसियों के सर्वे में भाजपा को निर्णायक बढ़त या बहुमत मिलने की संभावना जताई गई। हालांकि कुछ सर्वेक्षणों ने तृणमूल कांग्रेस की सरकार बरकरार रहने का अनुमान जताया है। 'पीपुल्स प्लस' के सर्वे में कहा गया है कि तृणमूल कांग्रेस 177 से 187 सीटें हासिल करके अपनी सत्ता बरकरार रख सकती है। भाजपा को 95 से 110 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस को एक से तीन सीट मिलने की संभावना जताई गई है। 'जनमत पोल्स' के एग्जिट पोल के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस को 195 से 205 सीटें मिल सकती हैं तो भाजपा को 80 से 90 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है। 'पोल डायरी' के सर्वे का अनुमान है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा 142 से 171 सीटों के साथ पहली बार सत्ता में आ सकती है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस को 99 से 127 से ही संतोष करना पड़ सकता है। 'मैट्रिज' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा 146 से 161 सीटों के साथ सरकार बना सकती है और टीएमसी को 125 से 140 सीटें मिल सकती है तथा वह सत्ता से बाहर हो सकती है। 'पी-मार्क' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को 150 से 175 सीटें मिल सकती हैं तो टीएमसी को 118-138 सीटें मिलने का अनुमान है।

तमिलनाडु में डीएमके सत्ता के नजदीक-
तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल में पीपुल्स पल्स और मैट्रिज के अनुसार द्रमुक गठबंधन को स्पष्ट बहुमत का अनुमान है। बाकी के अनुमानों में एक्टर थलपति विजय की पार्टी टीवीके आगे दिख रही है। लेकिन, डीएमके के वापसी के साफ संकेत नजर आ रहे हैं। तमिलनाडु में अधिकतर सर्वेक्षणों ने द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का अनुमान जताया है, हालांकि 'एक्सिस माय इंडिया' ने टीवीके की पहले ही चुनाव में बहुमत के करीब पहुंचने का अनुमान लगाया है। उसका आकलन है कि विजय की पार्टी को 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 से 120 सीटें मिल सकती हैं। टीवीके का गठन फरवरी, 2024 में हुआ था। 'एक्सिस माय इंडिया' के सर्वेक्षण में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को 92 से 110 सीटें मिलने तथा अन्नाद्रमुक की अगुवाई वाले राजग को सिर्फ 22 से 32 सीटें हासिल होने का अनुमान है। 'पीपुल्स प्लस' ने द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को 125 से 145 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है।

केरलम राज्य में...

मिलने का अनुमान है, जबकि एलडीएफ को 58 से 68 सीटें मिल सकती हैं। 'पीपुल्स इनसाइट' के सर्वेक्षण के अनुसार, यूडीएफ को 66 से 76 सीटें हासिल हो सकती हैं तथा एलडीएफ को 58 से 68 सीटें हासिल होने का अनुमान है। उसने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 10 से 14 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। केरलम में विधानसभ की 140 सीटें हैं।

बंगाल में दूसरे...

मुक्के, लाठियों से हमले किए। भारी संख्या में सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद हालात बेकाबू दिखे। इलाके में अभी भी तनाव का माहौल बना हुआ है और सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च शुरू कर दिया है। सीएम ममता ने सीआरपीएफ पर टीएमसी समर्थकों और वोटरों से मारपीट का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि सीआरपीएफ ने हमारे कई लोगों को गिरफ्तार किया है। वोटरों और सेंट्रल ऑब्जर्वर लोगों को मार रहे हैं। टीएमसी का दावा है कि सीआरपीएफ के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई।

सुवेंदु और टीएससी कार्यकर्ता भिड़े-
पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में वोटिंग के दौरान भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। मतदान केंद्र पर निरीक्षण करने पहुंचे सुवेंदु अधिकारी के साथ टीएमसी कार्यकर्ता भिड़ गए। इस दौरान सुवेंदु अधिकारी को टीएमसी समर्थकों ने घेर लिया। सुवेंदु अधिकारी के सामने उन्होंने जय बंगाल के नारे लगाने शुरू कर दिए। सुवेंदु अधिकारी भी इस दौरान काफी गुस्से में नजर आए और वो भी टीएमसी कार्यकर्ताओं को जवाब देते हुए दिखाई।

नारी शक्ति सम्मान,...

विधायक जगेश्वर राम भगत और पूर्व राज्यसभा सांसद मोहसिना किदवई के निधन का उल्लेख है। उसके बाद सदन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शासकीय संकल्प पेश करेंगे। शासकीय संकल्प में कहा गया है कि इस सदन का मत है कि नारी शक्ति के सम्मान और महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण के उद्देश्य से देश की संसद तथा सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीट आरक्षण, परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। शासकीय संकल्प पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य चर्चा करेंगे। चर्चा के दौरान संसद में महिला आरक्षण का विरोध करने के कारण विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाए जाने की संभावना है।

संकल्प के जरिए...

किया जा रहा है। चूंकि संकल्प के जरिए विपक्ष के बर्ताव पर कटाक्ष किया जाएगा। ऐसे में सदन की कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामे के आसर हैं।

शादी समारोह से...

को सीतापुर के वंदना गांव से कक्षा 7वीं-8वीं में पढने वाली 13-14 साल की चार सहेलियां शादी समारोह में शामिल होने के लिए पास के गांव दलदलीपारा गई हुई थी। शादी समारोह से वापस लौटते समय रात लगभग 10 बजे चार से पांच बाइक में सवार 9-10 युवकों ने नाबालिग लड़कियों को घेर लिया। इस दौरान उन्होंने नाबालिग लकड़ियों को डराने का प्रयास किया और फिर जबरन अपनी अपनी बाईक पर बिठाकर अलग अलग रास्ते पर निकल गए। आरोप है कि इनमें से चार युवकों ने एक नाबालिग को जंगल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया जबकि दूसरी नाबालिग छात्रा को भी दो युवकों ने ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपियों ने छात्राओं के साथ मारपीट की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। दुष्कर्म के बाद आरोपी नाबालिग छात्राओं को छोड़कर भाग निकले। होश आने के बाद देर रात छात्राएं किसी तरह अपने घर पहुंची। बताया जा रहा है कि घटना के बाद छात्राएं काफी तकलीफ में थी। इस दौरान परिजन ने जब उनसे पूछताछ की तो उन्होंने घटना की जानकारी दी।
सूचना के बाद परिजन छात्राओं को लेकर 26 अप्रैल को सीतापुर थाना पहुंचे थे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 70(2) व पोक्सो एक्ट की धारा 4(2), 5(छ), 6 के तहत मामला किया है।

बाइक से कूदी, कई किमी तक किया पीछा-
बताया जा रहा है कि घटना के दौरान चार में से एक नाबालिग किसी तरह भागकर झाड़ियों में छिप गई थी जिससे वह बच गई थी। इसके साथ ही एक नाबालिग छात्रा को युवक बाइक पर बिठाकर अपने साथ लेकर जा रहे थे लेकिन हिम्मत जुटाकर छात्रा बाइक से कूद गई। इस दौरान वह घायल हो गई। बाइक से कूदकर छात्रा खेत के रास्ते भागने लगी। भाग रही छात्रा का आरोपियों ने मंगारी तक पीछा किया लेकिन छात्रा किसी तरह वंदना में पदस्थ शिक्षक के घर में जाकर छिप गई और अपने चाचा को घटना की सूचना दी। परिजन के साथ 25 अप्रैल को छात्रा ने सीतापुर थाना में शिकायत दर्ज कराई।

5 वें दिन कराया एमएलसी-
इस मामले में अब तक जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार छात्राओं के साथ दुष्कर्म की घटना 24 अप्रैल की रात हुई थी। इसके बाद 25 को डरी सहमी छात्राओं ने किसी को कोई जानकारी नहीं दी। बड़ी बात यह है कि शिकायत के सीतापुर थाने में मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। मामला प्रकाश में आने व जिपं सदस्य द्वारा इस मामले को उजागर किए जाने के बाद 29 अप्रैल को पुलिस छात्राओं को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंची थी जहां दोनों छात्राओं की एमएलसी कराई गई। हालांकि सीतापुर थाना प्रभारी अखिलेश सिंह ने एमएलसी के आधार पर छात्राओं से दुष्कर्म की घटना से इनकार किया है। वहीं अब मेडिकल कॉलेज में एमएलसी के बाद छात्राओं को पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती किया गया है और जांच रिपोर्ट का इंजतार किया जा रहा है।

-चल रही है विवेचना-
महिला उत्पीड़न के मामले में थाना सीतापुर में 26 अप्रैल को प्रार्थिया की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध प्रथम सूचना दर्ज की गई है। प्रकरण में साक्ष्य संकलन किया जा रहा है, पीड़िताओं का मेडिकल परिक्षण कराया गया है। प्रकरण में एक आरोपी एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को हिरासत में लिया गया है। अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर प्रकरण में विवेचना की जा रही है। - **अमोलक सिंह ढिल्लो**, एएसपी सरगुजा

मामले को दबाने...

मुलाकात करने के साथ ही सीतापुर थाना पहुंचकर मामले की जानकारी ली। आरोप है कि शिकायत के बाद समय पर छात्राओं की ना ही एमएलसी कराई गई और ना ही एफआईआर दर्ज किया गया। जिपं सदस्य ने कहा की इस पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया गया। पुलिस प्रशासन घटना को लेकर सुस्त है और छात्राओं के साथ दुष्कर्म की घटना से इनकार कर रहा है जबकि 7वीं-8वीं में पढ़ने वाली छात्राएं झूठ नहीं बोलेंगी। नाबालिग छात्राएं युवकों को जानती भी नहीं है। पुलिस लापरवाही कर रही है और सिर्फ एक मामले में दुष्कर्म का अपराध दर्ज किया गया जबकि दूसरे मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले में तत्काल अपराध दर्ज कर गिरफ्तारी होनी चाहिए।

पूर्व आईपीएस पर...

आपूर्ति सुनिश्चित करना है। सरकार का मानना है कि यह कदम न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि आम उपभोक्ताओं के लिए पारंपरिक एलपीजी के मुकाबले एक किफायती विकल्प भी साबित होगा। इस पहल से राज्य में गैस पाइप लाइन नेटवर्क का विस्तार होगा, जिससे बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद जताई गई है।

ये था मामला-
पूर्व सीएम भूपेश बघेल कैबिनेट ने पिछली सरकार (रमन सरकार) के समय डीजी के पद पर प्रमोट किए गए तीन आईपीएस अफसरों की पदोन्नति को निरस्त करने का बड़ा फैसला लिया था। भारत सरकार के गृह विभाग द्वारा सहमति नहीं देने के बाद 1988 बैच के आईपीएस संजय पिल्ले, आरके विज और मुकेश गुप्ता की पदोन्नति आदेश को निरस्त किया गया है। राज्य में यह पहला मौका था, जब तीन सीनियर आईपीएस अफसरों डिमोट किया गया है। तीनों को पूर्ववर्ती रमन सरकार ने आचार संहिता लागू होने से पहले ही एडीजी से डीजी के पद पर प्रमोट किया गया था। इससे पहले आईपीएस एसके पासवान को केंद्र सरकार की मंजूरी नहीं मिलने पर डिमोट किया गया था। वजह ये बताई गई थी कि बिना अनुमति के ही पिछली सरकार ने अफसरों को प्रमोट किया था।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से करोड़ों की सहायता-
जनहित के कार्यों को गति देते हुए कैबिनेट ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से दी गई सहायता राशि को भी स्वीकृति प्रदान की। इसके तहत कुल 6,809 व्यक्तियों और संस्थाओं को आर्थिक मदद दी गई है। कुल सहायता राशि लगभग 11 करोड़ 98 लाख 84 हजार रुपये है। यह राशि गंभीर बीमारी, शिक्षा और अन्य आकस्मिक जरूरतों के लिए जरूरतमंदों को प्रदान की गई है।

तीन पूर्व आईपीएस...

का निर्णय लिया था, लेकिन तब भी कांग्रेस सरकार ने पूर्ववर्ती रमन सरकार का फैसला पलटा था।

छत्तीसगढ़ कैडर के...

केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर आईपीएस संतोष सिंह को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में डीआईजी के पद पर नियुक्त किया है। इसके पहले आईपीएस संतोष सिंह छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, राजनांदगांव, कोरिया, रायगढ़, महासमुंद, नारायणपुर व कोंडागांव जिले में एसपी, एएसपी के पद पर रह चुके हैं। वर्तमान में वे पुलिस मुख्यालय में डीआईजी, सीसीटीएनएस-एससीआरबी के पद पर पदस्थ थे।

पत्नी, डेढ़ साल...

को टेप और कपड़े से बांधा। इसके बाद गला घोंटकर सभी की हत्या कर दी। इसके बाद कमरे को बाहर से बंद कर आग लगा दी, ताकि लोगों को लगे कि पत्नी और बेटी के साथ आरोपी राजू भी जल गया। आरोपी ने हत्या की यह षड़यंत्र पत्नी के चरित्र पर संदेह और आए दिन होने वाले विवाद के कारण किया। रवि की मृतका मंजू दूसरी पत्नी थी। उसके एक पत्नी और बच्चे पहले से बिहार में रह रहे थे। वह उनके पास वापस जाना चाह रहा था। इसलिए इस जघन्य हत्या की साजिश रची। पुलिस ने आरोपी को राउरकेला से गिरफ्तार किया था। मामले में शासन की तरफ से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक भावेश कटारे ने की।
प्रकरण के मुताबिक घटना 20 जनवरी 2020 को सुबह करीब 5 बजे की है। पुलिस को सूचना राजेश सूर्यवंशी ने दी। उसने पुलिस को बताया कि उसकी मां कला सूर्यवंशी के पास फोन आया कि उनकी बेटी मंजू की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने धारा 302 और 201 के तहत अपराध दर्ज कर मामले में जांच शुरू की। जांच में पता चला कि आरोपी रवि पहले से शादीशुदा था और उसकी पहली पत्नी और बच्चे राउरकेला में रहते हैं। भिलाई में उसने मंजू से दूसरी शादी कर ली थी। मंजू ने डेढ़ महीने पहले बच्ची को जन्म दिया था, लेकिन रवि इस बच्चे को नहीं चाहता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। आखिरकार तंग आकर उसने मंजू को मारने की योजना बना ली। मंजू की भी यह दूसरी शादी थी।

सीसीटीवी कैमरे...

लिए थी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पता चला कि घटना से एक दिन पहले रवि एक अज्ञात युवक को स्कूटी से अपने घर लेकर आया था। वहीं घटना के बाद तड़के वह अकेले स्कूटी से निकलते दिखा। इससे साफ हो गया कि आरोपी रवि ही है।

पिता के साथ...

में हाथ बंटाता है। बाजार से थोक में सब्जी खरीदने के साथ ही चौक में बैठकर उसे बेचते हैं। छात्र चैतूराम ने बताया कि वह राजनीति क्षेत्र में आकर गरीबों की सेवा करना चाहता है। क्षेत्र से विधायक बनने का सपना इस छात्र का है। साथ में पढाई भी जारी रखना चाहता है। जिस समय 12 वीं का रिजल्ट आया उस समय भी चैतूराम अपने छोटे भाई के साथ सब्जी बेच रहा था।

शतरंज के नेशनल...

कहा कि यह परिणाम उसके लिए कल्पना से परे जरूर है पर मेरी मेहनत इसके पीछे छुपी है। अंशुल ने बताया कि उन्होंने कभी ट्यूशन नही ली और घर पर रहकर रिवीजन एवं शासकीय शिक्षकों के द्वारा बताए गए मार्गदर्शन उसे यह अंक मिले हैं। अंशुल सिविल इंजियर बनना चाहते हैं। वे शतरंज के भी अच्छे खिलाड़ी हैं।

लड़कियां फिर आगे,...

हासिल की है। ऐसे विद्यार्थी जिन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली है, उन्हें निराश न होने, आत्मविश्वास बनाए रखने और सकारात्मक सोच के साथ निरंतर प्रयास करते रहने की आवश्यकता नहीं है। परिणामों की घोषणा के दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, माशिम अध्यक्ष रेणु पिल्ले, स्कूल शिक्षा विभाग सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

10वीं में 44.48%...

प्रकरण के कारण रोके गए हैं। 143 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोका गया है। 1616 परीक्षार्थियों के आवेदन पात्रता के अभाव में निरस्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 3 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम बाद में घोषित किए जाएंगे।

10वीं की मेरिट...

निजी और शासकीय स्कूल शामिल हैं। यह कृतिमान तब स्थापित हो रहा है, जब राज्य की बागडोर आदिम जाति वर्ग से ही आने वाले विष्णुदेव साय के सक्षम हाथों में है। विभाग के प्रशासकीय मुखिया मंत्री रामविचार नेताम और प्रमुख सचिव सोनमणी बोरा हैं।

10वीं में पहला...

लगन से बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं। संध्या ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता और शिक्षकों को देते हुए बताया कि वह 12 के बाद सीजीपीएससी की तैयारी करेगी। वैसे उसका सपना सिविल सर्विसेज में जाने का है। सामान्य परिवार से आने वाली संध्या का कहना है कि यह उसके लिए गौरव का क्षण है कि वह इस गौरव का कारण बन सकी।

मैकेनिक की बेटी...

तक बिस्तर पर पड़े रहे। जेईई की परीक्षा दी है। आईआईटी की भी तैयारी कर रही है।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देंखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- गूगल एडवर्ड, गूगल प्रमोशन, गूगल अड प्रमोशन फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम सोशल मीडिया ऐड प्रमोशन हेतु अनुभवी लड़के लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में गोडपारा बिलासपुर 8602111111 (40710)

आवश्यकता है- बिलासपुर के ऑटोमोबाइल शोरूम में फिल्ड एक्जीक्यूटिव, हाऊस कीपिंग स्टाफ, वॉशिंग बॉय, PDI एक्जीक्यूटिव स्पेयर पार्टस बिलिंग एक्जीक्यूटिव, इंश्योरेंस कोऑर्डिनेटर, नेटवर्क मैनेजर (सर्विस) की तत्काल आवश्यकता है। रिज्यूमे शेयर करें एवं सम्पर्क करें- 93990 21703 (40712)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु अनुभवी कार ड्राईवर की आवश्यकता है जिसे सभी प्रकार की गाड़ी चलानी आती हो। सम्पर्क करें 8839405065 (नया या फ्रैश लाइसेंस वाले सम्पर्क ना करें) (40709)

आवश्यकता है-Shyam Enterprises में काम करने के लिए लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। समय- सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक वेतन- काम के अनुसार दिया जाएगा। सम्पर्क करें- 92382 16900 (40689)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लैक्स माउंटिंग हेतु लडकों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 62645 50163, 9685542250, 9644004113 (40702)

आवश्यकता है
आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउन्टर स्टॉफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करें:- सुबह 11 से 01 बजे तक 07752-226296, 402543

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 7869919759 (40714)

आवश्यकता है-मित्तल फर्नीचर अमेरी चौक बिलासपुर में अकाउंट कार्य करने के लिए अकाउंटेंट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क 9826663999 (40703)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। पता- रामा वर्ड न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9967299365 (40686)

आवश्यकता है-फर्निशिंग शोरूम में कार्य करने हेतु 111 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार शोरूम में सम्पर्क करें-राजा ब्रदर्स, साइंस कॉलेज के पास सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 9399525343, 9179990715 (40697)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 (40708)

आवश्यकता है-अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार चलाने में सक्षम हो (Manual/ Automatic) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9301922223 (40693)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है दोपहर 2बजे से रात 12 बजे तक सैलरी 12000, सम्पर्क करें- होटल रॉयल रामा टेलीफोन एक्सचेंज रोड पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9893392495 (40705)

आवश्यकता है- अनुभवी एकाउंटेंट, मार्केटिंग, सेल्स कार्य हेतु शिक्षित युवक, दुकान कार्य हेतु लड़कों की। वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- 80852 22340 रिंग रोड नं.2, मंगला चौक के पास, बिलासपुर (40706)

आवश्यकता है- सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 97707 70000, 9827072000 (40707)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर 9425540768 (40698)

आवश्यकता है-(1)दिनभर घरेलू कार्य करने हेतु एक लड़का, एक लड़की (2) कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर (3) शाकाहारी खाना बनाने हेतु कुक(4)ओटी हेतु पैरामेडिकल स्टाफ चाहिए सम्पर्क- 70671 24226 (40673)

आवश्यकता है-खाना बनाने हेतु लड़की/ महिला की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से 11बजे तक। डॉ. ईशा अग्रवाल, नेहरु नगर, प्रकृति लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, बिलासपुर 78699 11052 (40694)

आवश्यकता है-कैफे में कार्य हेतु फ्रेशर युवक/युवती चाहिए सैलरी योग्यतानुसार 6000 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद, ब्रूबेरी कैफे, एम्बियंस बिजनेस पार्क, CMD कॉलेज के सामने बिलासपुर 79879 26453, 9131256249, 07752 490692 (40695)

आवश्यकता है-मेडिकल स्टोर में कार्य करने के लिए लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- जानकी मेडिकल भाजपा कार्यालय के पास करबला रोड बिलासपुर 9098685395 (40700)

आवश्यकता है-होलसेल+ रिटेल कपड़ा दुकान में 2पद सेल्समैन लड़का, लड़की एवं दुकान कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। पता- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827112950, 8319617107 (40691)

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए हॉफ टाइम तथा फुल टाइम लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 (40679)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड और ऑफिस सुपरवाइजर की आवश्यकता है पुरुष और महिलाओं की : पोस्ट(261) - (8th - 12th) सैलरीः 22500 से 39500 ड्यूटी जिलानुसार संपर्क करें 7389079603 (041)

आवश्यकता है-रायपुर हेतु सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 15, फील्ड अधिकारी 5, वेतन 13000 से योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-6, जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 77470 00019 (005)

आवश्यकता है-एलआईसी में केवल महिलाओं के लिये पार्ट टाइम/ फुल टाइम बीमा सखी की भर्ती योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, 7000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति, असीमित कमीशन आय सम्पर्क- आशीष अग्रवाल (विकास अधिकारी) 98939 61300 (40685)

आवश्यकता है-पैट्रोल पम्प में कम्प्यूटर आपरेटर, पम्प आपरेटर, सफाई कर्मचारी, चौकीदार एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- जरहाभाठा मन्दिर चौक बिलासपुर 9479258223 (40473)

बेचना है

बेचना है- हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड- 49, बीआर यादव नगर बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एस.के. बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (40711)

बेचना है-मौसाजी होंडा के पीछे सीपत रोड सरकंडा में 880 वर्गफिट के दो प्लॉट एवं त्रिपति नगर, बिरकोना रोड में 3000 वर्गफीट का एक प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 93406 49889, 9039477885 (40688)

बेचना है- प्लाट एरिया 1500 वर्गफीट पूर्णतः विकसित एवं डायवर्टेड बाउंड्री वाल से घिरा हुआ अतुल्य इस्टेट रहंगी बिल्हा बिलासपुर में बेचना है सम्पर्क करें- 9425531525 (40715)

बेचना है- बिलासपुर के हृदय स्थल श्रीकांत वर्मा मार्ग मैग्नेटो माल के पहले वैशाली नगर मे सर्व सुविधा युक्त पुर्णत सुरक्षित कालोनी मे 24 घंटे गार्ड- 2 bhk के फ्लैट फर्स्ट फ्लोर मे बेचना है संपर्क सुत्र- 9827687816 (40656)

बेचना है-सकरी आसमां पेट्रोल पम्प के पीछे मेन रोड के अत्यंत समीप, लगानी, डायवर्टेड प्लाट 4246 वर्गफीट फ्रन्ट 70 (नगर निगम/ डायवर्सन का 2026 तक का टैक्स पटा है) तत्काल बेचना है सम्पर्क- के.एल. साहू 93296 46270 (40684)

बेचना है-न्यू बस स्टैण्ड तिफरा के समीप यदुनन्दन नगर में 2BHK मकान, एक दुकान, गार्डन सहित प्लाट एरिया 1500 वर्गफिट, 2400 वर्गफिट का tncp प्लाट डबल रोड कार्नर का संम्पर्क- 98263 14444 (40692)

बेचना है-अनुभवी इंजीनियर द्वारा निर्मित, नर्मदा विहार यदुनन्दन नगर, तिफरा में मकान नं 21, TNC एप्रूव्ड, दो मंजिला मकान प्लाट एरिया 1650 वर्गफिट निर्मित एरिया भूतल 1350 वर्गफिट, प्रथम तल 1000 वर्गफिट एवं शेड 200 वर्गफिट कुल निर्मित एरिया 2550 वर्गफिट बेचना है। सम्पर्क करें- 9424146997, 78986 87010 (40699)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

किराया

किराया-महामाया विहार कॉलोनी में सर्वसुविधायुक्त 2BHK मकान किराए से देना है सरकारी कर्मचारी वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 (40680)

फायनेंस

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे- BA, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, MA, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Poly-technic B.Tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4146)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण- 2 चक्का 4 चक्का वाटर टैंकर और हाइड्रॉलिक ट्रॉली 4 चक्का 2 चक्का एक्सचेंज सुविधा सहित नया/पुराना उपलब्ध। ट्रॉली टैंकर बनाने वाले आदमियों की जरूरत है सम्पर्क- किसान एग्रो, गतौरी, रतनपुर रोड बिलासपुर, 9827892413, 7999789224 (40659)

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्व एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500 96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	8	6	1	13
बेंगलुरु	8	6	2	12
राजस्थान	9	6	3	12
हैदराबाद	8	5	3	10
गुजरात	8	4	4	8
चेन्नई	8	3	5	6
दिल्ली	8	3	5	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

वैभव सूर्यवंशी
400 रन
राजस्थान

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
14 विकेट
बेंगलुरु

रियान पराग की 'वेपिंग' पर बवाल, बीसीसीआई ने करार दिया गैर-जिम्मेदाराना कृत्य

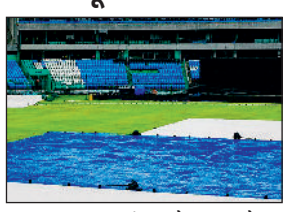

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में 'वेपिंग' (ई-सिगरेट का इस्तेमाल करना) करते हुए टीवी कैमरों में कैद होने के बाद विवादों में घिर गए हैं। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसमें इसका उत्पादन, बिक्री और वितरण शामिल था। इस संबंध में कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की कैद हो सकती है या/और उस पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया सकता है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में रन बनाने के लिए जूझ रहे पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का सेवन करते हुए देखे गए। कैमरे में कैद हुई इस घटना पर सोशल मीडिया पर तुरंत ही प्रतिक्रिया होने लगी। इस प्रतियोगिता के संचालन से जुड़े आईपीएल और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने इसे सोशल मीडिया और टीवी कैमरों की निगरानी के युग में बेहद लापरवाही वाला कृत्य करार दिया।

बीसीसीआई कर सकती है कार्रवाई

आईपीएल के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया, ' कई खिलाड़ी ई-सिगरेट का सेवन करते हैं, लेकिन वे ड्रेसिंग रूम में ऐसा नहीं करते। इतने सारे कैमरों के बीच ऐसा करना बेहद जोखिम और लापरवाही भरा है। पराग को खुलेआम ई-सिगरेट पीते हुए पकड़े जाने के बाद बीसीसीआई को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।' राजस्थान रॉयल्स टीम का कोई भी अधिकारी इस मामले पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था।

दूसरी बार विवाद में घिरा आरआर आईपीएल के मौजूदा सत्र में यह पहला अवसर नहीं है जबकि राजस्थान किसी विवाद में पड़ा। इससे पहले इसी महीने की शुरुआत में टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर डगआउट में फोन का इस्तेमाल करने कारण नियमों का उल्लंघन करने के लिए एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था।

कैमरे में वेपिंग करते पकड़े गए ये क्रिकेटर्स

साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल मैच के दौरान एरॉन फिंच का वेप करते हुए का क्लिप वायरल हो गया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान को धुंआ छोड़ते और फिर से कश लेते हुए देखा गया था। हाल में इस साल की शुरुआत में एसए20 के एक मैच के दौरान कैमरों ने एबी डिविलियर्स को वीआईपी स्टैंड में वेप करते हुए कैद कर लिया। इस फुटेज ने काफी हलचल मचा दी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैक्कुलम ने बताया कि 2015 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ मैच के दौरान उन्होंने टॉयलेट में सिगरेट पी थी, जबकि इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा कि 2019 वर्ल्ड कप के फाइनल के दौरान उन्होंने लॉर्ड्स के वॉशरूम में सिगरेट पी थी।

उठाया गया था खिलाड़ियों की निजता का मुद्दा

आईपीएल के एक अन्य सूत्र ने बताया कि मौजूदा टूर्नामेंट से पहले मुंबई में कप्तानों की बैठक में ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की निजता का मुद्दा उठाया गया था। कुछ कप्तानों ने सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम की ओर कैमरे घुमाए जाने पर आपत्ति जताई थी। सूत्र ने कहा, 'यह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट के इस्तेमाल से सीधे तौर पर संबंधित नहीं था। यह मोटे तौर पर खिलाड़ियों की निजता से जुड़ा था। कई बार खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में पूरे कपड़े नहीं पहने होते हैं या वे कैमरों से बचना चाहते हैं।' सूत्र के अनुसार खिलाड़ियों को बताया गया कि ड्रेसिंग रूम से फुटेज दिखाने वाले कैमरों के बारे में फैसला लेना बीसीसीआई का नहीं बल्कि प्रसारक का काम है।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 रद्द

चटगांव। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को होने वाला दूसरा टी20 क्रिकेट मैच लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द करना पड़ा। काफी इंतजार करने के बावजूद बारिश के रुकने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही थी, जिसके बाद मैच रद्द करने का फैसला किया गया। पहले मैच में 6 विकेट की जीत के बाद बांग्लादेश तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है। श्रृंखला का अंतिम मैच मीरपुर में शनिवार से खेला जाएगा। बांग्लादेश ने इससे पहले तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीती थी।

नहीं रहे दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके गृह नगर लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे।

हेड और क्लासेन का तूफानी अर्धशतक, 6 विकेट से जीता सनराइजर्स

243 रन बनाकर भी हारी मुंबई, हैदराबाद की लगातार 5वीं जीत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ट्रेविड हेड और हेनरिक क्लासेन के तूफानी अर्धशतक से सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन के शतक पर पानी फेरते हुए मुंबई इंडियन्स को 6 विकेट से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत से सनराइजर्स की टीम 9 मैच में 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई की टीम 8 मैच में 4 अंक के साथ नौवें स्थान पर है। मुंबई के 244 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने हेड (76 रन, 30 गेंद, 8 छक्के, 4 चौके) और अभिषेक शर्मा (45 रन, 24 गेंद, 3 छक्के, 4 चौके) के बीच पहले विकेट की 8.4 ओवर में 129 रन की साझेदारी के बाद हेनरिक क्लासेन (नाबाद 65 रन, 30 गेंद, 4 छक्के, 7 चौके) के अर्धशतक से 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 249 रन बनाकर जीत दर्ज की। क्लासेन ने नीतीश कुमार रेड्डी (21) के साथ चौथे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी भी की। सलील अरोड़ा ने अंत में 10 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों से नाबाद 30 रन बनाए।

रिकेल्टन ने खेली 123 रन की नाबाद पारी

रिकेल्टन ने इससे पहले अपने करियर और मुंबई के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 55 गेंद में 8 छक्कों और 10 चौकों से नाबाद 123 रन बनाए, जिससे मुंबई इंडियन्स ने 5 विकेट पर 243 रन का स्कोर खड़ा किया। रिकेल्टन ने विल जैक्स (46) के साथ पहले विकेट के लिए 93, नमन धीर (22) के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 और कप्तान हार्दिक पंड्या (31) के साथ चौथे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी भी की। सनराइजर्स की ओर से प्रफुल्ल हिंगे सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 54 रन देकर दो विकेट चटकाए जबकि इशान मलिंगा ने 29, रेड्डी ने 31 और साकिब हसन ने 39 रन देकर एक-एक विकेट हासिल किया।

रिकेल्टन ने तोड़ा जयसूर्या का 18 साल पुराना रिकॉर्ड

रिकेल्टन ने 44 गेंद पर शतक जड़कर इतिहास रच दिया। वह मुंबई इंडियंस के लिए सबसे कम गेंद पर शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम था। जयसूर्या ने 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 45 गेंद पर शतक जड़ा था। तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ इसी सीजन 45 गेंद पर शतक जड़ा था। कैमरन ग्रीन ने सनराइजर्स के खिलाफ 2023 में 47 और सूर्यकुमार यादव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 49 गेंद पर शतक जड़ा था। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के रियान रिकेल्टन शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले तिलक और क्विंटन डिकॉक ने शतक जड़े थे।

एमआई का पावरप्ले में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में मुंबई इंडियंस की पारी का आगाज विल जैक्स और रायन रिकल्टन ने किया। दोनों ने मिलकर पहले 6 ओवरों में 78 रन बना डाले, जो आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस का पावरप्ले में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। पहले 6 ओवरों के खेल में जैक्स ने 18 गेंद खेलकर 38 रन बनाए, दूसरी ओर रिकल्टन ने भी 18 गेंदों का सामना किया और 37 रन बनाए।

सनराइजर्स ने पावरप्ले में कूटे 92 रन

पावरप्ले के दौरान तो हैदराबाद के अभिषेक और हेड ने तबाही मचा दी। सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई के खिलाफ पहले 6 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 92 रन कूट डाले। यह सनराइजर्स हैदराबाद के इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है।

मैड्रिड ओपन

15 जीत के बाद एरीना हारीं हैली ने किया उलटफेर

gettyimages
Credit: Ion Alcoba Beitia

- 6 मैच पॉइंट बचाकर जीती हैली, सेमीफाइनल में एंट्री
- बैप्टिस्ट का सेमीफाइनल में सामना मीरा एंड्रीवा से

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

अमेरिका की हैली बैप्टिस्ट ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की हैली ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की और 6 मैच पॉइंट बचाकर 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत हासिल की। यह जीत न सिर्फ उनके करियर की सबसे बड़ी जीत थी, बल्कि टूर पर सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। बैप्टिस्ट, जिन्होंने इस हफ्ते से पहले कभी किसी टॉप 5 अपोनेंट को नहीं हराया था, ने अब मैड्रिड में टॉप-टियर प्लेयर्स पर लगातार दो जीत दर्ज की हैं। इससे पहले उन्होंने तीसरे राउंड में जैस्मीन पाओलिनी को बाहर किया था। बैप्टिस्ट का सेमीफाइनल में सामना नौवीं सीड मीरा एंड्रीवा से होगा।

श्रीलंका क्रिकेट में उठापटक अध्यक्ष सिल्वा का इस्तीफा

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट में 29 अप्रैल को उस समय भारी उठापटक का माहौल देखने को मिला, जिसका अंदेशा पिछले काफी दिनों से लगाया जा रहा था। श्रीलंका क्रिकेट यानी एसएलसी के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बात की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की तरफ से आधिकारिक तौर पर जारी कर दी गई है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पिछले दिनों बोर्ड में बदलाव को लेकर जोर दिया था, जिसके बाद ये कदम उनके इसी बयान को लेकर माना जा रहा है।

थॉमस कप : फाइनल में चीन से 0-2 से पीछे भारत, सात्विक-चिराग और लक्ष्य हारे

एजेंसी ▶▶| होर्सेंस

लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोडी को करीबी हार का सामना करना पड़ा, जिससे भारत बुधवार को थॉमस कप फाइनल्स के ग्रुप ए के आखिरी मुकाबले में चीन से 0-2 से पीछे चल रहा है। लक्ष्य को दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शि फेंग से कड़ा संघर्ष करने के बावजूद तीन गेम तक चले मुकाबले में शिकस्त झेलनी पड़ी। लक्ष्य ने पिछले महीने 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप' में ली को हराया था। वह बुधवार को निर्णायक गेम में उसी फॉर्म को दोहरा नहीं पाए और 19-21, 21-8, 12-21 से पराजित हो गए। भारत को सात्विक और चिराग की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी से मुकाबले को बराबर करने की उम्मीद थी। लेकिन पांच मैच प्वाइंट बचाने के बावजूद यह जोड़ी मौकों को भुनाने में नाकाम रही और आखिरकार लियांग वेई केंग और वांग चांग से 13-21, 21-13, 24-26 से हार गई।

अब आयुष शेट्टी पर दारोमदार

अब सारा दारोमदार आयुष शेट्टी पर होगा कि वह वेंग होंग यांग का सामना करते हुए भारत को इस मुकाबले में बनाए रखें। आयुष इस महीने की शुरुआत में एशिया चैंपियनशिप के उपविजेता रहे थे। वहीं हरिहरन अमसकरुनन और एमआर अर्जुन की युगल जोड़ी ही जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी से भिड़ेगी।

कोठारी ने आडवाणी को हराया, खिताब रखा बरकरार

कारलो। भारत के सौरव कोठारी ने एकतरफा फाइनल में हमवतन पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। कोलकाता के खिलाड़ी ने 3 घंटे तक चले फाइनल में 19 बार के चैंपियन आडवाणी को 1133-477 से हराया। कोठारी ने लगातार अच्छे ब्रेक बनाए। उन्होंने 485, 121, 90, 241 और 155 के ब्रेक बनाकर अपनी जीत सुनिश्चित की। कोठारी ने फाइनल के बाद अपनी जीत को अपने पिताजी मनोज कोठारी को समर्पित किया जिनका इस साल के शुरू में निधन हो गया था। उन्होंने कहा, 'मैं अपने पिताजी के लिए इस प्रतियोगिता को दोबारा जीतना चाहता था। यह जीत मैं अपने पिताजी को समर्पित करता हूं।' कोठारी ने कहा, 'विश्व खिताब जीतना वाकई अविश्वसनीय लगता है और उसका बचाव करना तो और भी खास है।'

एनएमडीसी NMDC

एनएमडीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का एक उद्यम)
'खनिज भवन', 10-3-311/A, कैसल हिल्स, मसाब टैंक, हैदराबाद -500 028.
कॉर्पोरेट पहचान संख्या (CIN) - L13100TG1958GOI001674

अनुबंध विभाग

ई-निविदा सूचना (घरेलू बोली के लिए खुली निविदा पूछताछ)

निविदा पूछताछ संख्या: HO(CONTRACTS)/RWLS-3/KDL/2026/323

दिनांक: 30-04-2026

NMDC लिमिटेड, भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन एक "नवरत्न" सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, **MSTC पोर्टल** के माध्यम से अनुभवी, प्रतिष्ठित और सक्षम घरेलू बोलीदाताओं से, **किरंदुल कॉम्प्लेक्स में रैपिड वैगन लोडिंग सिस्टम (RWLS) - 3 और उसके साथ फीडिंग कन्वेयर सिस्टम की स्थापना** के कार्य के लिए **ऑनलाइन बोलियाँ** आमंत्रित करती है।

विस्तृत NIT और बोली दस्तावेज़ **30-04-2026 से 29-05-2026** तक निम्नलिखित वेबसाइट लिंक से देखे और/या डाउनलोड किए जा सकते हैं:

1. NMDC वेबसाइट - **https://nmdcportals.nmdc.co.in/nmdctender**
2. केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल **(CPP PORTAL)http://www.eprocure.gov.in/epublish/app** और
3. MSTC पोर्टल **https://www.mstcecommerce.com/eprocn/** और NMDC **निविदा इवेंट संख्या NMDC/Head Office/Contract/58/25-26/ET/657** खोजें। अधिक सहायता के लिए MSTC वेबसाइट पर दिए गए 'विक्रेता मार्गदर्शिका' (vendor guide) को देखें।

बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियाँ **केवल MSTC पोर्टल** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। ऑनलाइन बोली जमा करने का विवरण NIT में दिया गया है। बोलीदाताओं को भविष्य में किसी भी शुद्धिपत्र (corrigendum) के लिए नियमित रूप से NMDC की वेबसाइट/CPP पोर्टल/MSTC वेबसाइट पर जाने की आवश्यकता है। अधिक स्पष्टीकरण के लिए, निम्नलिखित से संपर्क किया जा सकता है:
वरिष्ठ प्रबंधक (E) / **अनुबंध,** NMDC लिमिटेड, हैदराबाद, फ़ोन: +91-040-23533536,
ईमेल: contracts@nmdc.co.in

कार्यकारी निदेशक (कार्य)

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6211

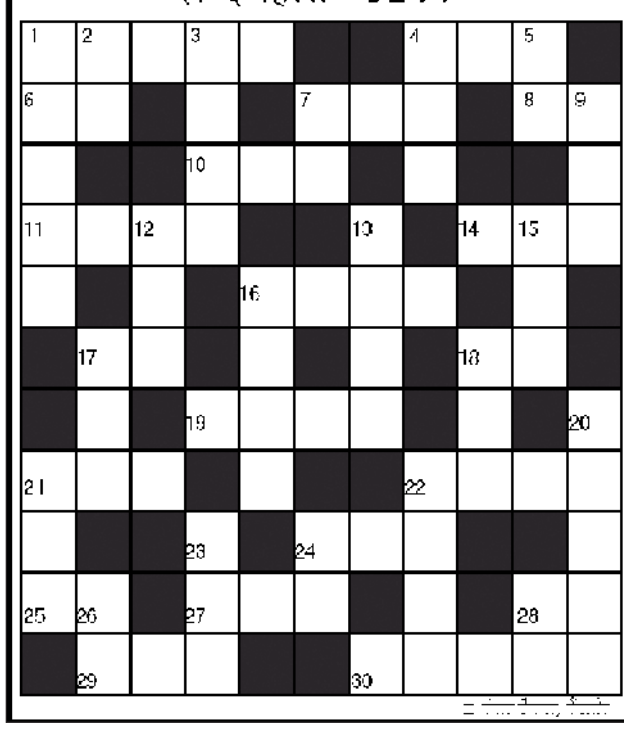

बाएँ से दाए-
1. पद्माकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर 2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शौहर 3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा 3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. सुहाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल 3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता 2
29. पंक्ति-3
30. तनजीबदार 5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला 5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, मंत्रालय-4
4. माहिर दक्ष 3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास 2
9. सोच-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर 4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंद्रावरकर अभिनीत फिल्म
23. [illegible]-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6210 का हल

सूडोकु नवताल - 6221

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6220 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

हर साल बजट आते ही लोगों की उम्मीदें बढ़ जाती हैं कि शायद इस बार टैक्स का बोझ थोड़ा हल्का हो जाए। लेकिन, क्या आपने कभी सुना है कि इसी देश में एक ऐसा राज्य भी है, जहां के लोगों को अपनी कमाई पर टैक्स ही नहीं देना पड़ता?

देश का इकलौता राज्य जहां लोग नहीं भरते इनकम टैक्स

इतिहास और कानून से जुड़ा एक पुराना प्रावधान

गंगटोक। सुनने में यह किसी खास छूट जैसा लगता है, लेकिन यह हकीकत है।यह अनोखी व्यवस्था भारत के पूर्वोत्तर में बसे खूबसूरत राज्य सिक्किम से जुड़ी है।

यहां के स्थानीय निवासियों पर इनकम टैक्स लागू नहीं होता। खास बात यह है कि यह कोई नई नीति या हालिया फैसला नहीं, बल्कि इतिहास और कानून से जुड़ा एक पुराना प्रावधान है।

किन लोगों को मिलती है यह सुविधा?

यह छूट हर किसी के लिए नहीं है। इसका लाभ मुख्य रूप से सिक्किम के मूल निवासियों को मिलता है। साथ ही वे लोग भी इसके पात्र हैं जिनका वहां निवास 26 अप्रैल 1975 से पहले का है। उनकी सैलरी बिजनेस या ब्याज से होने वाली आय टैक्स के दायरे से बाहर रहती है।

क्या है इसके पीछे की वजह?

भारतीय आयकर अधिनियम की धारा 10 (26एएए) के तहत सिक्किम के मूल निवासियों को टैक्स से छूट दी गई है। दरअसल, सिक्किम करीब 330 वर्षों तक एक स्वतंत्र रियासत रहा था। बाद में 1975 में इसका भारत में विलय हुआ और यह देश का 22वां राज्य बना। इस विलय के समय यह तय किया गया था कि सिक्किम की पारंपरिक टैक्स व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यही कारण है कि आज भी वहां के स्थानीय लोगों को अपनी आय पर टैक्स नहीं देना पड़ता।

कब नहीं मिलती यह छूट?

अगर कोई व्यक्ति देश के किसी अन्य हिस्से से जाकर सिक्किम में बसता है, तो उसे यह सुविधा नहीं मिलती। वहीं, सिक्किम का कोई निवासी अगर राज्य से बाहर कमाई करता है, तो उस आय पर उसे सामान्य नियमों के तहत टैक्स देना होता है। यह व्यवस्था जहां सिक्किम के लोगों के लिए एक विशेष अधिकार की तरह है, वहीं बाकी देश में इसे लेकर अलग-अलग राय देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे टैक्स सिस्टम में असमानता मानते हैं, जबकि सिक्किम के लोग इसे अपनी ऐतिहासिक विरासत और पहचान का हिस्सा समझते हैं।

रोचक खबरें

वैज्ञानिकों ने खोजी 18 करोड़ साल पुरानी डॉल्फिन, 21 फीट थी लंबी

वॉशिंगटन। दुनिया में कई ऐसे रहस्य छिपे हैं, जिनके बारे में जानने के बाद लोग हैरान रह जाते हैं। वैज्ञानिक हर समय किसी न किसी नई खोज के बारे में लगे रहे हैं। इस बीच एक नई खोज ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। दावा किया जा रहा है कि पुरातत्वविदों ने जर्मनी के उत्तरी इलाके में एक क्ले पिट (मिट्टी की खदान) से करीब 18 करोड़ साल पुराने इक्थियोसॉर के जीवाश्म की खोज की है। बताया जाता है कि यह विशाल समुद्री सरीसृप डॉप्लफिन केक आकार का था और जुरासिक काल में समुद्रों में इसका आतंक माना जाता था। खोजकर्ता बताते हैं कि यह जीवाश्म टेम्नोडोंटोसॉरस नामक इक्थियोसॉर की प्रजाति से जुड़ा हुआ है। यह अपनी विशाल काया और तेज दांतों के लिए भी जाना जाता है। एक अनुमान के अनुसार, यह प्राणी उस वक्त करीब 21 फीट लंबा हुआ करता था। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीवाश्म मिस्टेलगाऊ क्ले पिट से मिला है और इसमें जबड़े के जोड़ों पर गंभीर चोट के निशान हैं। बहुत घिसे हुए दांत और पेट में गैस्ट्रोलिथ्स भी मिली हैं। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह प्राणी गंभीर चोटों के बावजूद लंबे समय तक जीवित रहा, जो अपने आप में बहुत खास है। कुछ समय में चोटों के साथ शिकार करना उसके लिए काफी मुश्किल हो गया > इस नई रिसर्च को लेकर एसएनएसबी के पैलियोन्टोलॉजिस्ट डॉ. उलराइके अल्बर्ट का कहना है कि यह शोध अभी तक के मिले सबसे युवा जीवाश्मों में से एक है। उन्होंने बताया कि इस खोज से पता चलता है कि ये बड़े समुद्री सरीसृप दक्षिण-पश्चिम जर्मन बेसिन में पहले सोचे गए समय से भी अधिक समय तक जीवित रहे।

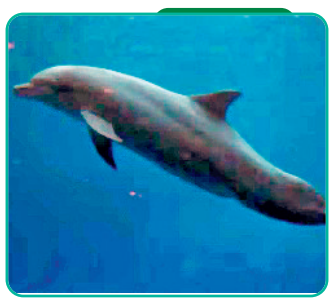

समुद्र में रहने वाली डुगोंग गाय एक दिन में खा जाती है 40 किलो घास

नई दिल्ली। समुद्र की दुनिया बेहद रहस्यमयी है। इसमें कई ऐसे जीव रहते हैं, जिनके बारे में जानकर लोगों के होश उड़ जाते हैं। इसी तरह का एक जीव डुगोंग है, जो एक शाकाहारी समुद्री स्तनपायी है। यह शांत प्रकृति और अनोखी आदतों वाला जीव है। यह डॉल्फिन की तरह दिखता है। इस जीव को सी काउ यानी समुद्री गाय कहा जाता है। यह समुद्र के नीचे गायों की तरह घास चरता है। यह समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित करने में मदद करता है। विज्ञान कहता है कि डुगोंग हाथी का करीबी रिश्तेदार है। यह बेहद साधी जीव है, जिसका कोई शिकारी आसानी से शिकार करता सकता है। डुगोंग दुनिया का इकलौता समुद्री स्तनधारी जीव है और यह पूरी तरह से शाकाहारी है। यह समुद्र के अंदर उगने वाली घास (सीग्रास) को खाता है और जीवत रहता है। गाय की तरह दिखने की वजह से इसे सी काउ कहा जाता है। सबसे खास बात यह है कि गाय की तरह घास भी चरता है। डुगोंग की भूख सबसे खास होती है। एक बड़ा डुगोंग हर दिन करीब 30 से 40 किलो तक समुद्र में उगने वाली घास को खा जाता है। डुगोंग का समुद्र में रहने वाली व्हेल या डॉल्फिन से करीबी रिश्ता नहीं है। यह जीव हाथी का करीब माना जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह दोनों एक ही समुह से संबंधित हैं। इसके कारण इसकी शरीर की कुछ बनावटें हाथी से मिलती हैं। यह जीव करीब 70 वर्ष जीवित रह सकता है। इसकी प्रजनन प्रक्रिया बहुत धीमी है, जिससे संख्या धीरे-धीरे बढ़ती है।

अद्भुत

टूरिस्ट्स के बीच तेजी से बढ़ रही है इस जगह की डिमांड

वो देश, जहां एक साथ ले सकते हैं दुबई सिंगापुर और नॉर्थ कोरिया का मजा!

क्या आपने कभी सुना है किसी ऐसे देश के बारे में जहां जाने के बाद आपको एक साथ दुबई की जगमगाती लग्जरी, सिंगापुर की साफ-सुथरी आधुनिकता और नॉर्थ कोरिया जैसा सख्त, बंद और नियंत्रित शासन महसूस हो? यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि मध्य एशिया का रहस्यमयी देश तुर्कमेनिस्तान है। इस देश की राजधानी आश्गाबात को 'सफेद संगमरमर का शहर' कहा जाता है। यहां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है–

अश्गाबात। दुनिया में सबसे ज्यादा सफेद संगमरमर वाली इमारतों की संख्या का। सिर्फ 22 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 543 इमारतों पर 45 लाख वर्ग मीटर से ज्यादा सफेद संगमरमर लगा हुआ है। हर तरफ चमचमाते महलनुमा भवन, सुनहरी मूर्तियां, विशाल फव्वारे और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर दुबई और सिंगापुर की याद दिलाते हैं। लेकिन, सतह के नीचे छिपा है नॉर्थ कोरिया जैसा सख्त शासन, व्यक्ति पूजा और बंद देश की व्यवस्था. अपने अद्भुत इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से ये देश लोगों के बीच काफी मशहूर हो रहा है।

अद्भुत संगम का देश

पूर्व राष्ट्रपति सपरमुरत नियाजोव (तुर्कमेंबाशी) और उनके बाद गुरबांगुली बर्दीमुहमेदोव ने देश को इस अनोखे रूप में ढाला है। पूरे शहर में नेता की तस्वीरें, सुनहरी मूर्तियां और भव्य स्मारक हर जगह दिखते हैं। सड़कें अचानक खाली हो जाती हैं, हर गतिविधि पर सरकार की नजर रहती है। बाहर से आने वाले पर्यटकों को सरकारी गाइड के साथ घूमना अनिवार्य है। मोबाइल, इंटरनेट और विदेशी मीडिया पर सख्ती है। यही वजह है कि इसे 'मध्य एशिया का नॉर्थ कोरिया'भी कहा जाता है। लेकिन, तुर्कमेनिस्तान का सबसे चौंकाने वाला और डरावना आकर्षण है कराकुम रेगिस्तान में स्थित दर्वाजा गैस क्रेटर, जिसे नर्क का द्वार भी कहा जाता है। 1971 में सोवियत संघ के इंजीनियरों ने गैस की खुदाई करते समय गलती से एक बड़े गैस के गुहा को तोड़ दिया था। छत गिर गई और विशाल गड्ढा बन गया। गैस रिसाव को रोकने के लिए इसे आग लगा दी। उम्मीद थी कि कुछ दिनों में गैस जलकर खत्म हो जाएगी। लेकिन 54 साल बीत गए, गड्ढा अभी भी जल रहा है।

टूरिज्म को मिला बढ़ावा

हाल के वर्षों में तुर्कमेनिस्तान सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने की कोशिश शुरू की है। 2025-2026 में ई-वीजा और कुछ छूट के साथ विदेशी टूरिस्ट्स की संख्या बढ़ रही है। हालांकि, हालिया खबरें बताती हैं कि क्रेटर की लपटें काफी कम हो गई हैं। तुर्कमेंगाज कंपनी के वैज्ञानिकों ने 2025 में घोषणा की कि आसपास नए कुएं खोदकर गैस को डायवर्ट किया जा रहा है। लपटें पहले से तीन गुना कम हो चुकी हैं। फिर भी यह जगह अभी भी दुनिया के सबसे अनोखे प्राकृतिक (या कहें मानव-निर्मित) आश्चर्यों में से एक बनी हुई है। तुर्कमेनिस्तान प्राकृतिक गैस के भंडार से भरपूर है। लेकिन, 80 प्रतिशत से ज्यादा इलाका रेगिस्तान है। बाहर की दुनिया से लगभग कटा हुआ यह देश बहुत कम पर्यटकों को स्वीकार करता था। अब धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। फिर भी यात्रा आसान नहीं है। आपको सरकारी टूर ऑपरेटर के जरिए ही जाना पड़ता है। आश्गाबात में सबसे बड़ा झंडा स्तंभ, सबसे बड़ा इनडोर फेरिस व्हील और कई अन्य गिनीज रिकॉर्ड भी है। शहर की सफाई और अनुशासन देखकर हैरानी होती है। लेकिन, यह चकाचौंध सिर्फ राजधानी तक सीमित है। बाकी देश अभी भी गरीबी, रेगिस्तान और पुरानी जीवनशैली से जूझ रहा है।

ग्रीन मैन का नारियल जुगाड़, तपती गर्मी में ऐसे बचा रहा है परिंदों की जान

जयपुर। राजस्थान की झुलसाती गर्मी में जहां इंसानों का हाल बेहाल हो जाता है, वहां बेजुबान पक्षियों के लिए जिंदगी और भी मुश्किल हो जाती है। लेकिन, इसी तपती धरती पर एक शख्स ने उम्मीद की ऐसी मिसाल पेश की है, जो न सिर्फ दिल छू लेती है बल्कि इंसानियत पर भरोसा भी बढ़ा देती है। राजस्थान के बाड़मेर में गर्मियों के दौरान तापमान अक्सर 50C के पार पहुंच जाता है। ऐसी भीषण गर्मी में जहां पानी के स्रोत सूख जाते हैं और पेड़ों की छांव भी राहत नहीं दे पाती, वहीं पक्षियों के लिए जिंदा रहना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इसी मुश्किल वक्त में स्थानीय पर्यावरण प्रेमी नरपत सिंह राजपुरोहित, जिन्हें 'ग्रीन मैन' के नाम से जाना जाता है, एक अनोखी पहल के साथ सामने आए हैं।

नारियल के खोल से बना ठंडा आशियाना

नरपत सिंह फेंके गए नारियल के खोल को इकट्ठा कर उन्हें पक्षियों के लिए घोंसले में बदल देते हैं। ये खोल प्राकृतिक रूप से ठंडे रहते हैं, जिससे ये प्लास्टिक या धातु के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और आरामदायक आश्रय बन जाते हैं। इन घोंसलों को पेड़ों पर टांगा जाता है, जहां पक्षियों को तेज धूप से राहत मिलती है और उन्हें सुरक्षित जगह मिलती है। खास बात यह है कि ये पूरी तरह इको-फ्रेंडली और बेहद कम लागत में तैयार हो जाते हैं।

सोने में महारथी होते हैं ये समुद्री ऊदबिलाव

न्यूयार्क। समुद्री ऊदबिलाव दुनिया के सबसे प्यारे समुद्री जानवरों में से एक है। लेकिन, उनकी पारिवारिक और प्रेम संबंध की कहानी काफी चौंकाने वाली है। नर ऊदबिलाव को 'दुनिया का सबसे बेवफा पति' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये एक साथी के साथ ज्यादा समय तक नहीं रहते। वे अक्सर अपनी मादा साथी का हाथ पकड़कर सोते हैं, लेकिन अलग होते ही नई मादा की तलाश शुरू कर देते हैं।

ये जानवर रात में या आराम के समय 'राफ्टिंग' नामक व्यवहार करते हैं। इसमें कई ऊदबिलाव एक साथ समूह बनाकर पानी पर तैरते हैं और एक-दूसरे का हाथ (पंजा) पकड़ लेते हैं। इससे लहरों में वे अलग नहीं होते। मां और बच्चा अक्सर हाथ पकड़कर सोते हैं। जोड़े भी यही करते हैं। ये व्यवहार इतना प्यारा लगता है कि लोग इसे सच्ची मोहब्बत समझ बैठते हैं। लेकिन, हकीकत थोड़ी अलग है।

ढूंढने की नहीं करते कोशिश : नर समुद्री ऊदबिलाव क्षेत्रीय होते हैं। वे एक खास इलाके पर कब्जा जमाए रखते हैं और उस इलाके में आने वाली कई मादाओं के साथ संबंध बनाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ये पूरी तरह एक पत्नी वाला पति नहीं होते। अगर कोई मादा अलग हो जाए या नर का ध्यान दूसरी ओर चला जाए तो वे आसानी से नई साथी चुन लेते हैं। इस वजह से उन्हें सबसे बेवफा जानवरों की लिस्ट में रखा जाता है। समुद्री ऊदबिलाव सोने में भी बेहद माहिर होते हैं। वे दिन में 10 से 12 घंटे तक सो सकते हैं।

छिपकलियों की तरह दिखते थे सांपों के पूर्वज

रेंगते नहीं, पैरों पर चलते थे सांप... खुल गया करोड़ों साल पुराना राज

ब्यूनस आयर्स। सांपों की दुनिया रहस्यों से भरी है। इसी दुनिया का एक राज सामने आया जिसने सबको नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया। आपके मन में भी कभी न कभी ये सवाल जरूर आया होगा कि क्या सांप के पैर होते हैं या नहीं होते। इसी रहस्य से वैज्ञानिकों ने पर्दा उठा दिया है और एक ऐसा सच सामने रख दिया, जिसे जान लोगों की नींद उड़ गई। अर्जेंटीना और अल्बर्टा विश्वविद्यालय के पुराजीविज्ञानी ने एक खोज की है। वैज्ञानिकों को 10 करोड़ वर्ष पुराने सांप का जीवाश्म मिला। इस जीवाश्म पर अध्ययन कर वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे कि सांपों के भी पैर हुआ करते थे।

साइंस डेली की एक रिपोर्ट के अनुसार, अर्जेंटीना और अल्बर्टा विश्वविद्यालय की रिसर्च से ये बात साफ हो गई कि सांपों के भी पैर हुआ करते थे। करोड़ों साल पहले दुनिया में पैर वाले सांप भी होते थे।

क्या है पैरों वाले सांप का नाम?

वैज्ञानिकों ने इस सांप को 'नज्जाश' नाम दिया है। इस सांप के जीवाश्म में पैर साफ तौर पर दिखाई दिए। इतना ही नहीं, सांप के जबड़े और सिर की बनावट भी आज के सांप और छिपकलियों के बीच की लिंक की तरह हैं।

कब था ये सांप?

दरअसल, जिस सांप के जीवाश्म पर वैज्ञानिकों ने अध्ययन किया वो सांप उस समय का है, जब सांप अपने पैरों को खो रहे थे और रेंगने वाले सांपों के रूम में डेवलप हो रहे थे। इसके अलावा एक थ्यौरी खूब चर्चा में रहती है कि सांपों का विकास समुद्र से हुआ या जमीन से। इस खोज ने जमीन से सांपों के विकास वाली कहानी को और मजबूती दी है।

रिसर्च

अनियोजित विकास से पानी का बहाव काफी रुक रहा

जमीन धंस रही और समुद्र बढ़ रहा... चेन्नई के लाखों लोगों पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव देखने को मिल रहा है। इस बीच वैज्ञानिकों का मानना है कि चेन्नई की जमीन हर साल 1.5 सेंटीमीटर तक धंस रही है और समुद्र का स्तर हर साल 2.8 मिलीमीटर बढ़ रहा है। यह एक बड़े खतरे का संकेत है।

जानकार मानते हैं कि अगर ऐसा ही होता रहा, तो आने वाले 25 सालों में करीब 10 लाख से अधिक लोग बाढ़ के उच्च जोखिम वाले इलाकों में आ सकते हैं। इसके साथ ही वैज्ञानिक मानते हैं कि इससे शहर के निचले तटीय इलाकों का लगभग एक तिहाई हिस्सा तूफानी लहरों से खतरे में पड़ सकता है।

अनुमान लगाया गया है कि चेन्नई में भीषण बाढ़ के खतरे में रहने वाली आबादी 2030 में 52 लाख से बढ़कर 2050 तक 65 लाख हो जाएगी।

करने होंगे ये उपाय

वैज्ञानिकों का मत है कि आने वाले समय में आपदा से बचने के लिए हमें प्रकृतिक व्यवस्था से कम छेड़छाड़ करना होगा। माना जाता है कि चेन्नई में बार-बार चक्रवात और बाढ़ आती है, इसकी मुख्य वजह आंधाधुंध निर्माण कार्य है। बहुमंजिला इमारतों का निर्माण या अनियोजित विकास से पानी का बहाव काफी रुक रहा है। जिस कारण प्राकृतिक संरचना का नुकसान पहुंच रहा है। इस बात पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है और इसको लेकर सख्त कदम उठाया जाना चाहिए।

अध्ययन में क्या आया सामने?

बता दें कि इस अध्ययन का नेतृत्व मोहाली (पंजाब) स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के पोस्टडॉक्टोरल भू-वैज्ञानिक अर्पण शास्त्री ने किया है। उन्होंने बताया कि शहर के कई बड़े आवासीय और व्यावसायिक इलाके विनाशकारी बाढ़ के खतरे में हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चेन्नई के तट पर औसतन हर साल पांच तूफान आते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com